उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः 41 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 9 नवंबर-2026



दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

बी.पी. साहू - प्रधान संपादक

अंदर के पृष्ठ पर | डेंगू प्रभावित पाली गांव पहुंची स्वास्थ्य टीम, शिविर में 69 बुखार पीड़ितों की जांच 10

मंधना पुलिस चौकी में खड़े वाहनों में लगी आग, मची अफरा तफरी 8

रूस का डबल टैप हमला

मरने वालों की संख्या 55 हुई, 50 अब भी लापता

» गांव में पुलिसकर्मियों और पड़ोसियों को अंतिम विदाई



» बीपीएस न्यूज

जापोरिजिया। रूस ने दक्षिणी यूक्रेन में रविवार को बचावकर्मियों को निशाना बनाया। ये बचावकर्मी पहले हुए हमले के बाद लोगों को बचाने के काम में लगे थे। रूसी ड्रोन ने उन पर हमला किया। ड्रोन ने एक पुराने स्कूल और उसके पास बने शेल्टर (सुरक्षित ठिकाने) को निशाना बनाया। इन दोनों जगहों पर पहले भी रूस ने कई निर्देशित (गाइडेड) बम गिराए थे। उस समय वहां के लोग मानवीय मदद का इंतजार कर रहे थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।यूक्रेन ने बताया कि सोमवार को हुए हमले में 55 लोगों की मौत हुई थी। यह हमला जापोरिजिया क्षेत्र में अग्रिम मोर्चे (फ्रंट लाइन) के पास स्थित कोमिशुवाखा गांव में हुआ था।

यूक्रेन की सरकारी आपात सेवा के मुताबिक, रविवार को उसी जगह हुए हमले में कोई घायल नहीं हुआ। हालांकि, बचाव कार्य में इस्तेमाल होने वाले विशेष उपकरणों को नुकसान पहुंचा। यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी एचयूआर ने बताया कि करीब 50 लोग अब भी लापता हैं। बरामद किए गए कई शवों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। उनकी पहचान के लिए डीएनए जांच की जा रही है।गांव के रहने वाले 72 साल के मायकोला क्रास्नोव ने शनिवार को एसोसिएटेड प्रेस (एपी) से बात की। उन्होंने बताया कि वह अब भी अपनी पत्नी को तलाश रहे हैं। लेकिन बचावकर्मियों की ओर से उन्हें कोई जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा, वह मानवीय सहायता लेने गई थी। वहां तीन टन का बम गिराया गया। वह कहां हैं? वह घर नहीं लौटीं। वहां उसका शव भी नहीं मिला। वह मुर्दाघर में भी नहीं है। और न ही वह यहां जिंदा है।

यूक्रेन का आरोप है कि रूस एक ही जगह पर लगातार कई हमले करता है। पहला हमला होने के बाद जब बचावकर्मी वहां पहुंचते हैं, तो रूस दोबारा हमला करता है। यूक्रेन के मुताबिक, इन हमलों का मकसद बचावकर्मियों को निशाना बनाना होता है।

शनिवार को जापोरिजिया में पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों ने अंतिम विदाई समारोह में हिस्सा लिया। यह अंतिम विदाई समारोह कोमिशुवाखा में रूसी हमलों में मारे गए छह पुलिसकर्मियों के लिए किया गया था। इनमें तीन पुलिसकर्मियों की मौत पुराने स्कूल के पास हुई थी।

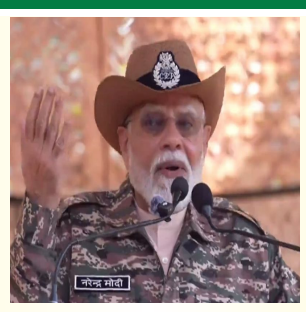
जापान में भूकंप का जोरदार झटका, दहशत में घरों से बाहर निकले लोग,22 घायल

टोक्यो जापान के मध्य हिस्से में रविवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए और इस दौरान कम से कम 22 लोग घायल हो गए। भूकंप के कारण दुकानों की खिड़कियों के शीशे टूट गए और लोग इमारतों से बाहर निकल आए। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने भूकंप की तीव्रता 5.7 बताई, जबकि अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार इसकी तीव्रता 5.5 थी। भूकंप के बाद कम तीव्रता के कई और झटके भी महसूस किए गए।भूकंप का असर आइची प्रांत के आसपास के एक बड़े इलाके में महसूस किया गया, जिसमें हमामात्सु शहर, जापान की प्राचीन राजधानियां क्योटो और नारा तथा आसपास के यामानाशी और गिफू प्रांत शामिल हैं। जापान का प्रसिद्ध माउंट फूजी पर्वत यामानाशी प्रांत में स्थित है।

बस्तर में जवानों के साथ दिवाली मनाने पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी, कहा- देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त

प्रधानमंत्री ने सुरक्षा बलों के बलिदान और समर्पण को सराहा, कहा- नक्सलियों के फर्जी मुद्रा नेटवर्क को तोड़ा और उनकी आपूर्ति श्रृंखला पर लगाई रोक

» बीपीएस न्यूज



नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सीआरपीएफ कैंप में सुरक्षा बलों के जवानों के साथ दिवाली मनाई। इस दौरान उन्होंने नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में जवानों के बलिदान, समर्पण और साहस की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पहली दिवाली है, जब देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त है।

जवानों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि सुरक्षा बलों के बलिदान और समर्पण ने नक्सली आतंक को खत्म करने और प्रभावित क्षेत्रों में विकास का रास्ता खोलने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, ÷हमारी सरकार के फैसलों ने फर्जी मुद्रा के नेटवर्क को नष्ट किया और नक्सलियों की आपूर्ति श्रृंखला को बाधित किया। इससे पहले प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर बताया था कि वह देश के बहादुर सुरक्षा बलों के साथ दिवाली मनाने बस्तर जा रहे हैं। उन्होंने बस्तर को ऐसा क्षेत्र बताया था, जहां कभी नक्सलवाद का प्रभाव था, लेकिन अब विकास की गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने सुरक्षा बलों के बलिदान, निस्वार्थ सेवा और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण को सलाम करने की बात कही थी।

बस्तर क्षेत्र में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और छत्तीसगढ़ पुलिस के जवान तैनात हैं। ये सुरक्षा बल नक्सल विरोधी अभियानों में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं।सरकार ने 31 मार्च को घोषणा की थी कि कई नक्सली नेताओं और कैडरों के मारे जाने तथा सैकड़ों नक्सलियों के आत्मसमर्पण के बाद देश नक्सलवाद के खतरे से मुक्त हो गया है।

प्रधानमंत्री ने शनिवार को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए कहा था कि वह देश के सैनिकों के साथ यह त्योहार मनाने की परंपरा जारी रखेंगे। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो संदेश में उन्होंने कहा था कि उन्होंने दीपावली पूरे उत्साह के साथ मनाई और सभी के लिए शांति, समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की।

असमः ऑयल इंडिया के ठिकाने पर आग से अब तक चार की मौत, तीन की हालत गंभीर, मरने वालों में सभी कंपनी के कर्मचारी

» बीपीएस न्यूज

डिब्रूगढ़। असम के डिब्रूगढ़ जिले में ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) के एक ठिकाने पर लगी आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। रविवार को हादसे में घायल एक और कर्मचारी की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान शैलेन गोगोई के रूप में हुई है। वह मैकेनिकल हेल्पर के पद पर काम करते थे। हादसे में घायल तीन अन्य कर्मचारियों की हालत अभी भी गंभीर है। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।यह हादसा छह नवंबर को हुआ था। ऑयल इंडिया की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, डिब्रूगढ़ जिले के तेंगाखाट स्थित उसके इंटरमीडिएट टैंक फार्म में रखरखाव का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक विस्फोट हुआ और आग लग गई। आग इतनी गंभीर थी कि इसमें कई कर्मचारी घायल हो गए। हादसे वाले दिन ही एक कर्मचारी की मौत हो गई थी। इसके बाद अगले दिन दो और घायलों ने दम तोड़ दिया। अब रविवार को शैलेन गोगोई की मौत के बाद मृतकों की संख्या चार हो गई है।



कौन थे हादसे में जान गंवाने वाले कर्मचारी?

अधिकारियों के मुताबिक, हादसे में मारे गए और घायल हुए सभी लोग मुंबई की कंपनी स्पेक्ट्रॉन इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के कर्मचारी थे। इस कंपनी को ऑयल इंडिया ने अपने यहां काम के लिए लगाया था। शैलेन गोगोई डिब्रूगढ़ के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे, जहां रविवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, तीन अन्य कर्मचारी अब भी गंभीर हालत में हैं।

कानपुर नगर वासियों को
दीपावली एवं छठपूजा
की हार्दिक शुभकामनायें।

हरिदत्त नेमी
मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कानपुर नगर

सभी कानपुर नगर वासियों को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग की तरफ से
दीपावली एवं छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं

ओम पाल सिंह
औषधि निरीक्षक
कानपुर नगर

सभी देशवासियों को बीपीएस न्यूज परिवार की तरफ से
दीपावली एवं छठपूजा की हार्दिक शुभकामनायें।

लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए LOG IN करें।
www.bpsnews.in
बी.पी. साहू (प्रधान संपादक)
Mob. 8423454502 9335908846

कानपुर नगर वासियों को
दीपावली एवं छठपूजा
की हार्दिक शुभकामनायें।

संजय प्रताप सिंह
सहायक आयुक्त (खाद्य) || कानपुर नगर

कानपुर नगर वासियों व दवा व्यापारियों को
दीपावली एवं छठपूजा
की हार्दिक शुभकामनायें।

देवयानी दुबे
औषधि निरीक्षक कानपुर नगर

दीपावली विशेषांक
पृष्ठ -12

SBI
कानपुर नगर वासियों को
दीपावली एवं छठपूजा
की हार्दिक शुभकामनायें

मनुज मिश्रा
ब्रांच मैनेजर (गोविन्द नगर)

अक्षय गौतम
सहायक मैनेजर (गोविन्द नगर)

कानौडिया स्पन्दन हास्पिटल
की ओर से सभी शहरवासियों को
दीपावली व छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं

डा0 आलोक कानौडिया
(केजीएमसी (एम.डी.)
बाल रोग विशेषज्ञ
128/के-212, (निकट राष्ट्रीय इंटर कालेज) के ब्लाक, किदवई नगर कानपुर
I.C.U/.P.B.U सभी प्रकार,समस्त टीकाकरण , जटिल आपरेशन (हड्डी रोग, जनरल सर्जरी)
एक ही छत के नीचे समस्त बीमारियों का निदान
समस्त प्रकार की इमरजेंसी सुविधाएं
डा प्रीति कनौडिया
एमएस गायनी
स्त्री रोग विशेषज्ञ
मो0 नंबर 9936978619, 9559581207

अपनी बात....

संपादकीय .....

दिवाली मनाएं मगर पर्यावरण जागरूकता संग

दिवाली से पहले ही दिल्ली का प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंचना गंभीर चिंता का विषय है। कल्पना करना कठिन नहीं है कि दिवाली पर पटाखे छोड़े जाने के बाद क्या स्थिति होगी? कई स्थानों पर एक्यूआई का चार सौ पार कर जाना हमारे स्वास्थ्य की दृष्टि से भयावह संकट ही है। इन हालात पर सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करने के बावजूद कहा है कि पुराने उपाय नाकाफी हैं। हम बचाव की बात तब कर रहे हैं जब एक्यूआई चार सौ पार कर गया है। कोर्ट ने बार-बार कहा कि इस प्रदूषण को कम करने के लिये सांस्कृतिक बदलाव बड़ी भूमिका निभा सकता है। हम जश्न मनाएं लेकिन पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी के साथ। इसके लिये लोगों को जागरूक करने की जरूरत होगी। अदालत में चिंता जतायी गई कि दिवाली के पास वाहनों के बंपर-टू-बंपर चलने, जाम लगने व बढ़ती आवाजाही से प्रदूषण की समस्या सामने आती हैं। उसके मूल में हमारे दिखावे की संस्कृति भी है। ये जो गिफ्ट देने की संस्कृति है, उसे हमने स्टेटस सिंबल बना दिया है। जिससे सड़कों में अप्रत्याशित रूप से वाहनों की आवाजाही होती है। इस प्रवृत्ति को रोकने और सांस्कृतिक बदलाव से ही समस्या का समाधान संभव है। हालांकि, प्रदूषण नियंत्रण के मद्देनजर अदालती आदेश है कि दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरे एनसीआर, जिसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश व राजस्थान के कई जिले शामिल हैं, में सात से आठ नवंबर को सुबह छह से सात और रात को आठ से दस बजे तक ही ग्रीन पटाखे छोड़ने की अनुमति होगी। साथ ही अस्पतालों- स्कूलों के तीन सौ मीटर दायरे में रोक लगाई गई है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हम इतने ईमानदार हैं कि इस अवधि में केवल ग्रीन पटाखे ही चलाएंगे? क्या दुकानदार ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचेंगे? अदालत में बताया गया कि दिल्ली में प्रदूषण की ऐसी हालत है कि हवा में सांस लेना तीस सिगरेट पीने के बराबर है।

दिल्ली में घातक प्रदूषण और दिवाली के मद्देनज़र स्वत- संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश वाली बैंच ने जहां गहरे तंज किए हैं, वहीं मार्गदर्शक सलाह भी दी है। बाकायदा सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची व जस्टिस वी.मोहना की पीठ ने कहा कि उम्मीद है कि आप सभी दिल्ली-एनसीआर के मौसम का आनंद ले रहे होंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता अमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने कोर्ट को बताया कि प्रदूषण का स्तर इतना गंभीर है कि हमारी आवाज बैठ रही है। अदालत ने बल दिया कि दिवाली मनाने के साथ-साथ प्रदूषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है। कोर्ट ने स्वीकारा कि सिर्फ पाबंदियां लगाने से समस्या हल नहीं होगी बल्कि इससे नियमों के उल्लंघन के मामले और बढ़ सकते हैं। दिल्ली के लोग बहुत टेलेंटेड हैं, वे नये रास्ते निकाल लेते हैं। सीजेआई ने कहा कि हमें त्योहार की पुरानी परंपराओं और रीति-रिवाजों पर फिर से गौर करने की जरूरत है। त्योहार मनाते समय हमें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का अहसास भी होना चाहिए। वहीं न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने टिप्पणी की कि यह मुद्दा त्योहारों के व्यवसायीकरण से भी जुड़ा है। दिवाली के संदर्भ में मुख्य न्यायाधीश ने एक संवेदनशील टिप्पणी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को लेकर भी है। उन्होंने चेताया कि इस वर्ग को प्रदूषण फैलाने के लिये जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। यह वर्ग प्रदूषण का सबसे ज्यादा शिकार होता है। इनके लिये दिवाली का त्योहार जीविका की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होता है। खासकर उन लोगों के लिये जिनकी आजीविका इस मौसमी काम व त्योहार पर निर्भर है। बल्कि सड़कों पर बढ़ती वाहनों की आवाजाही से इनका काम-धंधा बुरी तरह प्रभावित होता है। सही मायने में प्रदूषण वे लोग फैलाते हैं, जो इसके घातक प्रभाव के असर का खर्च उठा सकते हैं। एक तरह से अदालत ने दिल्ली को नसीहत दी कि वह अपने प्रदूषण की जिम्मेदारी स्वीकार करे। दिल्ली सरकार भी साल भर चलने वाले संकट के लिये मौसमी प्रदूषण, पराली व पटाखों को वजह बताकर जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। आखिर दिल्ली में आपातकाल जैसी स्थिति क्यों पैदा हुई? खुले में काम करने वालों और संवेदनशील बच्चों को सुरक्षा कौन देगा?

अंतस में उजियारा लाने का संदेश देती दीपावली

दीपोत्सव की उमंग

दीपावली की हर युग में अपनी-अपनी पौराणिक व ऐतिहासिक कथाएं हैं। लेकिन इस त्योहार का केंद्र भगवान श्रीराम का आदर्श जीवन है। यह पर्व अहंकार, अंधकार पर जीत का संदेश देता है। दरअसल, यह केवल दीप जलाने का उत्सव नहीं, बल्कि...दीपावली की हर युग में अपनी-अपनी पौराणिक व ऐतिहासिक कथाएं हैं। लेकिन इस त्योहार का केंद्र भगवान श्रीराम का आदर्श जीवन है। यह पर्व अहंकार, अंधकार पर जीत का संदेश देता है। दरअसल, यह केवल दीप जलाने का उत्सव नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि व मन में उजास भरने का प्रतीक है। उमंग, उल्लास, हर्ष और उत्साह का पर्व है-दीपावली। भारतीय संस्कृति का वृहद स्वरूप। भगवान धन्वंतरी जयन्ती, नरक चतुर्दशी से लेकर दिवाली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज। कुल मिलाकर पांच दिनों का पर्व। पांचों दिन उत्सव के। उत्सव कब होता है। जब हम प्रसन्न होते हैं। आत्मा नकारात्मकता को छोड़कर सकारात्मकता को अपनाती है। अंतर्मन में अंधकार का निर्वासन और प्रकाश का प्राकट्य होता है। वास्तविक उत्सव यही है।



दीपावली पर्व से कई धारणाएं और मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। सुखद आश्चर्य है कि दिवाली का जिक्र सतयुग में है, त्रेता में भी है, द्वापर में भी और कलियुग की कथाओं में भी। कठोपनिषद् में यम-नचिकेता का प्रसंग आता है। कहा जाता है कि नचिकेता यमलोक गए थे और धर्मराज से जीवन-मृत्यु का रहस्य पता करने के बाद, मृत्यु को जीतकर वापस संसार में लौटे थे। उनके यमलोक से आने की खुशी में लोगों ने घी के दिए जलाए थे। माना जाता है कि दीपावली मनाने और दिए जलाने की परंपरा इसी घटना से आरंभ हुई। एक अन्य गाथा के मुताबिक इसी दिन समुद्र मंथन से देवी महालक्ष्मी का प्रादुर्भाव हुआ था। किंवदंती के अनुसार, ऋषि दुर्वासा जी के श्राप के कारण श्रीलक्ष्मी जी को समुद्र में समाना पड़ गया था। संसार के लक्ष्मीविहीन होने पर असुरों ने सुरों पर आक्रमण कर दिया और आध्यात्मिक गतिविधियों को छिन्न-भिन्न कर दिया। इससे संपूर्ण विश्व पर संकट आ था। घबराए देवगणों ने श्रीहरि से याचना की। तब श्रीहरि विष्णु ने समुद्र मंथन करवाने की योजना बनाई। समुद्र मंथन से चौदहवें रत्न के रूप में श्रीलक्ष्मी निकलीं, जिनको श्रीविष्णु ने ग्रहण किया। लक्ष्मी जी के प्रकट होने पर देवता, बल व तेजयुक्त हो गए और उन्होंने असुरों का सर्वनाश कर दिया। लक्ष्मी जी के पुन- अवतरण की इस घटना पर समस्त लोकों में दीपमलिका प्रज्वलित की गई। इस प्रकार से दीपावली का आरंभ हुआ। दीपावली के दिन ही भगवान कृष्ण ने प्रथम बार गाय चराकर, लोगों को गोसेवा करने का संदेश दिया था। पौराणिक गाथाओं के अलावा दीपावली के साथ कुछ ऐतिहासिक घटनाएं भी जुड़ी हैं, जो इस पर्व का महत्व और बढ़ाती हैं। दीपावली के दिन ही आर्य समाज के प्रवर्तक स्वामी दयानंद और जैन धर्म के प्रमुख तीर्थंकर महावीर जी को निर्वाण प्राप्त हुआ था। अपने कार्यों से विश्व को अभिभूत करने वाले महान संत स्वामी रामतीर्थ का जन्म और मृत्यु का अनूठा संयोग भी दिवाली पर ही हुआ था। इसके अतिरिक्त श्रीकृष्ण द्वारा लोककल्याण हेतु गोवर्धन पर्वत धारण करने, भाई दूज पर यम द्वारा अपनी बहन यमुना से मिलने और महाराज विक्रमादित्य द्वारा विक्रमी संवत् का आरंभ करने की कथाएं भी दिवाली से जुड़ी हैं। दिवाली से जुड़ी आध्यात्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक कथाएं अनंत हैं। इन अनंत कथाओं के कारण ही दीपावली सभी वर्गों में लोकप्रिय है। लेकिन दीपावली का केंद्र बिंदु हैं-श्रीराम।

वास्तव में दीपावली यदि जन-जन का त्योहार है, तो उसका कारण हैं-श्रीराम। दीपावली से पूर्व रामलीलाओं/रामकथाओं के आयोजनों की परंपरा से ही जनमानस में दीपावली के प्रति उमंग जगती है। सही अर्थों में दीपावली संदेश देती है-भगवान राम के जीवन का अनुकरण करने और उनके संदेशों को आत्मसात कर, आत्मा को परमात्मा बनाने का। रावण द्वारा सीताहरण किए जाने के बाद श्रीराम चाहते तो रावण को कहीं से भी ढूंढ़ निकालकर दंडित कर सकते थे। यह उन जैसे महामानव के लिए कोई दुष्कर कार्य नहीं था। लेकिन उन्होंने संसार की मर्यादाओं का पालन करते हुए, वानर जैसे छोटे से छोटे चरित्रों की सहायता से जिस संयम से इस पूरी लीला को पूर्णता प्रदान की, वह अनूठी है। हनुमान, सुग्रीव, अंगद, विभीषण के प्रति आत्मीयता और उन्हें सम्मान देने की श्रीराम की प्रवृत्ति अनुकरणीय है। आज हम देखते हैं, कि थोड़ा-सा वैभव, बल और थोड़ी-सी विद्या पाते ही मनुष्य अहंकारी हो जाता है और निर्बलों पर अत्याचार करने लगता है। भगवान राम हमें प्रेरणा देते हैं कि अहंकार रहित होकर और सभी मर्यादाओं का पालन करने में ही मानव का कल्याण निहित है। इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम भी कहा गया है। रामायण में उल्लेखित एक-एक प्रसंग हमारी धरोहर है, जिसे आत्मसात कर हम अंधकार, अहंकार और अनिश्चय की स्थिति से निकल सकते हैं। दीपावली राह दिखाती है, कि जिस तरह उच्च मूल्यों की स्थापना करते हुए श्रीराम ने रावण पर विजय प्राप्त की, उसी प्रकार हम भी अपने अंतर्मन में स्थायी रूप से बैठे दुर्विचारों को नष्ट कर अपनी आत्मा को दीपमलिका से जगमग कर सकते हैं।दीपावली दरअसल आत्मशुद्धि का पर्व है। जब तक हमारा मन शुद्ध नहीं होगा, जब तक हमारा वातावरण शुद्ध नहीं होगा। सामाजिक बुराइयों के प्रति जब तक हम जागरूक नहीं होंगे, हमारे कुविचारों का मैल जब तक नहीं धुलेगा, तब तक दिवाली मनाना, बेमानी होगा। बिना स्वच्छता, बिना प्रकाश कैसी दिवाली, और बिना दिवाली कैसा जीवन। वास्तव में दिवाली हर प्रकार के अंधकार को नष्ट करने का पर्व है। इस पर्व पर घर को साफ-सुथरा करने की परंपरा है, दीप व आतिशबाजी के माध्यम से अंधकार को जीवन से भगाने और मन को आलोकित करने की परंपरा है। हम इन सभी उपक्रमों के जरिए सांस्कृतिक परंपराएं तो निभा लेते हैं, लेकिन भूल जाते हैं कि हमारी संस्कृति में दीपावली का एक अर्थ हमारे परिवेश की स्वच्छता भी है। स्वच्छता एक सकारात्मक शक्ति पुंज है, जो हमें बाहर और भीतर दोनों ओर से महकाती है। यदि हम केवल दिखावे के लिए झाड़ू हाथ में लेकर खड़े हो जाते हैं और सफाई-कर्म हमारे घर तक ही सीमित रखते हैं। तब हम दिवाली के महत्व को नष्ट करते हैं। प्रवृत्ति में सार्थक बदलाव ही दीप पर्व का वास्तविक अर्थ है। यह बदलाव यदि हम ला सके, तो इसे जीवन का चरमोत्कर्ष कहा जाएगा। इन दिनों सोशल मीडिया में एक संदेश सामने आ रहा है कि मीडिया और पर्यावरण के रखवालों को पर्यावरण बचाने की याद हमारे त्योहारों पर ही आती है। जमकर पटाखे छुड़ाओ। स्वच्छता और पर्यावरण बचाने के लिए बाकी के 364 दिन हैं।इस प्रकार की सोच हमारे समाज के लिए घातक है। 'जमकर पटाखे छुड़ाएं' एक नकारात्मक संदेश है, क्योंकि पटाखों से उत्पन्न, प्रदूषण हमारी सफाई व्यवस्था को नुकसान पहुंचाता है। इससे हिंदू, मुसलमान नहीं, संपूर्ण समाज प्रभावित होता है। ऐसे संदेशों को फैलाने और अमल में लाने से बचें। दरअसल इन नकारात्मक विचारों और संदेशों पर विजय पाना भी दिवाली मनाने का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। ओशो कहते हैं–'आदमी एक अंधेरा है। आदमी है अमावस की रात। और दिवाली तुम बाहर कितनी ही मनाओ, भीतर का अंधेरा बाहर के दीयों से कटता नहीं, कटेगा नहीं। हमारी सारी जीवन ऊर्जा बाहर की तरफ यात्रा कर रही है। यह ऊर्जा भीतर की तरफ लौटे, तो यही ऊर्जा प्रकाश बनेगी।'

आइए इस दिवाली हम भी संकल्प लें कि छलावायुक्त बाहरी आवरण को छोड़कर अपने अंतस को उजाले से भरेंगे। जीवन को आनंदमय करेंगे, समाज को अपने कार्यकलापों से सुख देंगे। दीप जलाएंगे और उत्साहित होंगे। बुद्ध, महावीर, स्वामी रामतीर्थ की तरह अपने जीवन को चरमोत्कर्ष प्रदान करेंगे।

राजनीतिक दायरों से आगे निकलता विपक्ष और आपसी असहमति

राजनीतिक विशलेषक/ जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा



पहले मॉक संसद फिर रामलीला मैदान में धरना और उससे भी बात नहीं बनी तो पीएम मोदी को सड़क डिबेट के लिए ललकार दिया। आखिर राजनीतिक दायरे से बाहर निकल कर राहुल एंड कंपनी कैसे लड़ पाएगी। जनता जुमलेबाजी और पप्पुगिरी दोनो से अजीज है। नए विकल्प की दूर दूर तक कोई गुंजाइस नहीं ऐसे में भाजपा फिर वापसी करेगी यह कहना जायज है। एक कहानी याद आती है कि किस्मत की बात थी बिल्ली को जंगल की बादशाहत मिल गई। सबसे पहले उसने कुत्तों पर पाबंदियां लगाई और चूहों को राष्ट्र का मित्र बताया। कुत्तों की जान पर बन आई। न खुले में घूम सकते थे न पेड़ों के तनों पर मूत सकते थे। आधी रात को भौंकने पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया था। उन्हें खाने के लाले पड़ने लगे, जीना मुहाल हो गया। इधर चूहों की किस्मत जाग उठी। चूहे जंगल मित्र बनाए गए तो उनकी शान बढ़ गई। जहां यहां घूमते रहते, जो मन किया कुतर लेते, जहां मन किया बिल बना दिया। सोए हुए जानवरों के कान कुतर लेते तो कभी किसी पंछी का घोंसला तोड़ देते। वैसे भी चूहों को बिल्लियों के अलावा किसी और जानवर से ख़तरा कम ही था, दूसरे कुत्ते थे जो मौका मिलते ही उन्हें दबोच लेते पर अब इनपर बंदिशे थी। मौज ही मौज थी चूहों की।

नए नियमों की सुनकर आसपास के जंगलों के दूसरे चूहे भी आकर बसने लगे। कई कालोनियां बस गई चूहों की। बिल्लियों की तो निकल पड़ी थी। आधी रात में कभी इस बिल तो कभी उस बिल के चूहों का शिकार कर लेती। चूहे एक नहीं थे तो किसी को फर्क नहीं पड़ता था कि कब कौन शिकार बन गया। जंगल का कानून पूरी तरह बदल गया था। जंगली कुत्ते जो शिकार कर प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में सहयोग करते थे असहाय थे। जंगल में जनसंख्या का संतुलन बिगड़ने लगा था। गर्मियां आई तो पानी की कमी होने लगी, पेड़ सूखने लगे और घांस सूखने लगी। चूहों को सारे वक्त कुतरने की आदत होती है, उन्हें जब खाने की कमी होने लगी तो वो झुंड बनाकर छोटे जानवर जिसे खरगोश, गिलहरी को अपना शिकार बनाने लगे। पेड़ों की जड़ें कुतरने लगे। सूखते हुए पेड़ भड़भड़ा कर गिरने लगे। बिल्लियों ने अपने लालच में चूहों को फंसाए रखने के लिए जाल डाला था वो अब उनके लिए ही मुसीबत बन गया। पर उन्हें भर पेट भोजन मिल जाता था इससे वो संतुष्ट थी। बाकी सब जाएं भाड़ में।सारे जानवर त्रस्त हो गए थे। एक दिन सब मैदान में इकट्ठा हुए। कांव कांव हुआ हुआ और भौं भौं जैसी आवाजों से जंगल गूंज उठा। बिल्ली अपने सिंहासन पर बैठी थी उसे समझ नहीं आ रहा था कि कैसे सबको शांत किया जाए। बिल्ली शेर की मौसी भले होती है पर राजा वाले कोई गुण उसमें नहीं होते। कमज़ोर हो चले कुत्तों की मांग थी कि इनपर से प्रतिबंध हटाया जाए तो खरगोश चाहते थे कि चूहों को उनके बिलों पर कब्जा करने से रोका जाए। गिलहरियों की गुहार थी कि उनके इकट्ठा किए खाने को चूहों के हमलों से बचाया जाए। बिल्ली को समझ नहीं आ रहा था कि सबको संतुष्ट कैसे किया जाए। राजा अपने हित में जब निर्णय लेने लगे तो प्रजा विद्रोह पर उतर आती है ये उसे नहीं पता था। काफ़ी देर तक जब बकबक झकझक होती रही और कोई निर्णय नहीं होता दिखा तो कुत्तों के एक झुण्ड ने बिल्ली पर हमला किया और उसकी जान ले ली। उसकी लाश कुत्तों के झुण्ड के बीच फेंक दी गई। सारे कुत्ते मिनटों में उसे चीर फाड़ कर खा गए। सभा में सन्नाटा छा गया। कुत्तों का झुंड अब सिंहासन पर बैठा था। सारा जंगल उनके भौंकने से गुंजायमान होने लगा था। एक युवा मज़बूत हट्टेकट्टे कुत्ते को ताज पहनाया गया। अब लोमड़ी को मित्र घोषित किया गया, बिल्लियों को जंगल छोड़ने की चेतावनी दे दी गई। फ़िर राज बदल गया। दोस्त दुश्मन की परिभाषा बदल गई बस नहीं बदली तो आम जानवरों की तकदीर। अखिलेश यादव उसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं जिसकी नींव नीतीश और लालू जैसे धुरंधर राजनेता ने बिहार में रखी थी । यही राजनीतिक कौशल भी है। चुनाव न लड़ने को घोषणा करके अखिलेश ने वही किया है। अच्छा सामने वाले को चौका भी रहे हैं। लगता है यह कौशल मोदी जी से सीखा है। वैसे एक चतुर राजनेता का यही गुण होता है।वह सबकी अच्छी बातों को अपना लेता है। उसी रास्ते पर अखिलेश चल रहे है। फिर सवाल होगा कि चुनाव न लड़ने की बात करके, वे ठीक संदेश नहीं दे रहे हैं । सही बात तो यह है कि सपा प्रमुख भाजपा को खेलने का मौका नहीं दे रहे हैं। उन्हें करहल याद है। और यह भी कि किस तरह की घेराबंदी होती है। इसे वे अफोर्ड नहीं कर सकते हैं। इसलिए अखिलेश इस बार बीजेपी की घेराबंदी में लगे हैं। दांव सब वही हैं जो बीजेपी चलती है। बस जगह बदल गई है। पार्टी बदल गई है अखिलेश यादव बदल गए हैं। इस बार बीजेपी जिससे मुक़ाबिल है वे 2017 और 2022 वाले अखिलेश नहीं है। ये अखिलेश भी जेन जी वाले है। बारीक नजर है इनकी। सियासत के हर धागे को करीने से सुलझाने में लगे है। उसके लिए जरूरी है खुद उलझन से दूर रहे हैं। चुनाव लड़ते तो भाजपा को उलझा देती। यह सपा प्रमुख जानते हैं। पिछली बार भी सारा विमर्श करहल के इर्द गिर्द ही बना गया था। माहौल भी वही से बना था।

उसका असर हुआ था। सो अखिलेश सधे हुए राजनेता की तरह खेल रहे हैं। मौका नहीं देना चाहते।



अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

जलते हैं वहां गंगा-जमुनी तहजीब के दीप



देवा शरीफ की सीख है कि दीन को मानकर जो झगड़े होते हैं, वे दीन को जानकर नहीं होते। इस दरगाह में दीपावली पर 'जो रब है वही राम है' के नारों के बीच दीये जलाकर जश्न-ए-चरागां मनाया जाता है।

दीपावली की भरपूर छटा देखनी हो तो गंगा-जमुनी तहज़ीब के दयार में आना चाहिए। अवध में, जहां यह सूफी संतों की दरगाहों में सबसे अधिक नजर आती है। खासकर विश्वप्रसिद्ध देवा शरीफ और किछौछा शरीफ में। देवा शरीफ उत्तर प्रदेश की वर्तमान और अवध की पुरानी राजधानी लखनऊ से बयालीस किलोमीटर तथा 'अवध का हृदय' कहलाने वाले बाराबंकी जिले के मुख्यालय से महज बारह किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जबकि किछौछा शरीफ फैजाबाद (अब अयोध्या) जिले को विभाजित करके बनाए गए अंबेडकरनगर जिले में स्थित है।

देवा शरीफ की सीख है कि दीन को मानकर जो झगड़े होते हैं, वे दीन को जानकर नहीं होते। इस दरगाह में दीपावली पर 'जो रब है वही राम है' के नारों के बीच दीये जलाकर जश्न-ए-चरागां मनाया जाने लगता है तो किसी को भी अपना हिंदू, सिख या मुसलमान वगैरह होना याद नहीं रह जाता!

इस अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से यहां आए विभिन्न धर्मों, बोलियों और भाषाओं के अनुयायी लौटते समय अपने साथ और कुछ ले जाएं या नहीं, अनेकता में एकता, शांति और सौहार्द के संदेश जरूर ले जाते हैं। यह दरगाह अवध के अपने समय के जाने-माने सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की कर्मस्थली है, जिन्हें वारिस सरकार के नाम से भी जाना जाता है। दरगाह के दरवाजे को 'कौमी एकता का दर' कहा जाता है। यहां कौमी एकता को बढ़ावा देने वाले नारे लगाए जाते हैं। कई लोग इसकी परंपराओं को अवध के नवाबों, खासकर नवाब वाजिद अली शाह और उनकी बेगम हजरत महल द्वारा पाली-पोसी जाती रही उस तहज़ीब से भी जोड़ते हैं, जिसमें भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं रही।

कहा जाता है कि गंगा-यमुना के इलाकों में इस तहज़ीब को जिन लोगों ने पाला-पोसा, उसे आगे बढ़ाने का काम मुख्यतः सूफी संतों ने ही किया। अवध में ऐसे कई सूफी संतों की जन्मस्थलियां और साधनास्थलियां स्थित हैं। इनमें मलिक मुहम्मद जायसी का नाम भी उल्लेखनीय है। जैसा कि उनके नाम से ही जाहिर है, उनका जन्म जायस में हुआ था।

दीपावली के दिन से शुरू होने वाला किछौछा शरीफ मेला चालीस दिनों तक चलता है और 'अगहन मेला' कहलाता है। इसमें देश के प्रायः हर कोने से लोग आते हैं–चाहे शहरी हों या ग्रामीण। इस मेले में दीपावली और एकादशी के अलावा बृहस्पतिवार के दिन को भी विशेष महत्व दिया जाता है। दीपावली की रात दरगाह स्थित 'नीर शरीफ' (सरोवर) के तट पर मोमबत्तियां और घी के दीये रोशन किए जाते हैं तथा दरगाह परिसर को खुशबूदार अगरबत्तियों से सुवासित किया जाता है। इस 'दीपोत्सव' को अगहन मेले का असली तेवर कहा जाता है। इस अवसर पर छोटे बच्चों का मुंडन भी करवाया जाता है।

गुस्ल मुबारक का दो दिवसीय मेला इस मेले से अलग होता है। इसमें जलसे के बाद दरगाह के संत मखदूम अशरफ जहांगीर सिमनानी की मजार को चालीस घड़े गुलाब और केवड़े के जल से नहलाया जाता है। फिर यह जल श्रद्धालुओं में वितरित किया जाता है। इस दरगाह की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसका हर रंग सूफियाना और लासानी है। यहां प्रायः साल भर अकीदतमंदों और फकीरों का जमावड़ा लगा रहता है और कोई न कोई मेला होता रहता है।

संत मखदूम अशरफ जहांगीर सिमनानी के बारे में कहा जाता है कि उनका जन्म ईरान के सिमनान प्रांत में हुआ था और वे मात्र तेरह वर्ष की उम्र में ही वहां के शासक बन गए थे। लेकिन राजकाज में उनका मन नहीं लगा तो उन्होंने गद्दी छोटे भाई को सौंप दी और फकीरी की राह पर चल पड़े। दुनियाभर में सूफी मत का प्रचार करते हुए वे भारत आए और किछौछा पहुंचे तो वहीं के होकर रह गए।







स्कूल के गेट से कक्षा छह के दो चचेरे भाई लापता

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गुजैनी थाना क्षेत्र के जरौली निवासी कक्षा छह के दो चचेरे भाई गुरुवार सुबह स्कूल पहुंचने के बाद लापता हो गए। दोनों ई-रिक्शा से स्कूल के गेट तक पहुंचे, लेकिन अंदर नहीं गए। काफी देर तक घर न लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू कर दी है।

बिहारी पुरवा निवासी अनिल यादव का 12 वर्षीय बेटा अभिनव और उनके भाई रामराज का 11 वर्षीय बेटा निर्मित राज जरौली स्थित एक्मी पब्लिक स्कूल में कक्षा छह में पढ़ते हैं। गुरुवार सुबह करीब 7:50 बजे दोनों दो बहनों आराध्या - नियति और एक ममेरे भाई नभ के साथ ई-रिक्शा से स्कूल पहुंचे थे। स्कूल गेट पर उतरने के बाद दोनों ने अपनी बहनों को चॉकलेट दी और अन्य बच्चों से स्कूल के अंदर जाने को कहा। इसके बाद कुछ सामान लेने की बात कहकर वहां से चले गए। सुबह करीब नौ बजे स्कूल से फोन आने पर परिजनों को पता चला कि दोनों कक्षा में नहीं पहुंचे हैं।परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां तलाश की, लेकिन उनका पता नहीं चला। पुलिस को स्कूल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखने पर दोनों पीछे के रास्ते से जाते दिखाई दिए। आगे की फुटेज में दोनों रामगोपाल चौराहे पर भी नजर आए हैं। मामा रोहित यादव के मुताबिक अभिनव अपनी छोटी बहन आराध्या का गुल्लक भी घर से ले गया है, जिसमें करीब तीन से चार हजार रुपये होने का अनुमान है।









दीपावली तक विशेष परिस्थितियों को छोड़कर खाद्य प्रतिष्ठानों में नही होगी जांच

» बीपीएस न्यूज



कानपुर। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र, जिलाध्यक्ष विजय गुप्ता गोरे, प्रदेश मंत्री रोशन गुप्ता एवं जिला कोषाध्यक्ष मनोज गुप्ता कुक्कू के नेतृत्व में मिठाई एवं रेस्टोरेंट कारोबारियों के साथ दीपावली पर्व के दौरान खाद्य पदार्थ एवं मिठाई कारोबारियों के प्रतिष्ठानों पर सफाई न होने के नाम पर लाइसेंस निलंबन तथा जांच और सैंपलिंग के नाम पर हो रही कार्रवाई से व्यापारियों को राहत दिलाने की मांग को लेकर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) के मंडलीय सहायक आयुक्त सुनील कुमार शर्मा से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा गया।

वार्ता में यह भी तय हुआ कि व्यापार मंडल स्वयं अपने मिठाई एवं रेस्टोरेंट प्रतिष्ठानों के किचन और बाथरूम की साफ-सफाई बनाए रखने के लिए विशेष अभियान चलाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि हमारा संगठन खाद्य पदार्थों में मिलावट का सदैव विरोध करता है और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं स्वच्छ खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के पक्ष में है लेकिन खाद्य सुरक्षा के नियमों के पालन के नाम पर ईमानदार व्यापारियों का अनावश्यक उत्पीड़न भी नहीं होना चाहिए।

यह भी कहा कि दीपावली वर्ष का सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक पर्व है और इस समय मिठाई एवं खाद्य कारोबारियों का व्यापार अपने चरम पर होता है। ऐसे समय में सफाई जैसी सामान्य कमियों के आधार पर लाइसेंस निलंबित कर देना व्यापारी के पूरे कारोबार को प्रभावित कर देता है। लाइसेंस निलंबित होने से व्यापारी कानूनी रूप से अपना माल बेचने में असमर्थ हो जाता है और उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। कहा कि कानपुर के बाहर के जिलों से अधिकारियों के आकर कार्यवाही करने से स्थानीय व्यापारियों में भय का वातावरण बन रहा है इस पर तत्काल रोक लगनी चाहिए।

वार्ता के दौरान मंडलीय सहायक आयुक्त सुनील शर्मा ने आश्वासन दिया कि विशेष परिस्थितियों को छोड़कर दीपावली तक खाद्य प्रतिष्ठानों में जांच एवं सैंपलिंग की कार्रवाई नहीं की जाएगी। साथ ही सफाई एवं सामान्य कमियों के आधार पर निलंबित किए गए मिठाई एवं रेस्टोरेंट कारोबारियों के लाइसेंस बहाल करने का भी आश्वासन दिया।

शिक्षकों की लंबित मांगों एवं समस्याओं को लेकर प्रारंभ हुआ आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक महासंघ (फुपुक्टा) के आह्वान पर प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के शिक्षकों की लंबित मांगों एवं समस्याओं के समाधान हेतु प्रारंभ हुआ आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर है।

दयानंद महाविद्यालय के8 शिक्षकाओ ने कहा लंबे समय से हमारी न्यायोचित मांगें शासन एवं उच्च शिक्षा विभाग के समक्ष उठाई जाती रही हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश अनेक आश्वासनों के बावजूद उनका समाधान नहीं हो पाया है। परिणामस्वरूप प्रदेश का शिक्षक समुदाय निरंतर उपेक्षा, असमानता और अनिश्चितता का सामना कर रहा है।

हमारा संघर्ष किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि शिक्षक समाज के सम्मान, अधिकारों, समानता और न्याय के लिए है। शिक्षक साथियों! अब समय केवल मांग उठाने का नहीं, बल्कि अपनी मांगों को पूरा कराने के लिए संगठित और निर्णायक संघर्ष करने का है।

हमारा आंदोलन तभी सफल होगा जब प्रदेश का प्रत्येक शिक्षक अपनी व्यक्तिगत व्यस्तताओं एवं सीमाओं से ऊपर उठकर सामूहिक हितों के लिए आगे आएगा। महासंघ द्वारा घोषित चरणबद्ध आंदोलन के प्रत्येक कार्यक्रम में शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करें। कोई भी शिक्षक साथी स्वयं को इस संघर्ष से अलग न समझे। आज हमारी एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

कानपुर में दीपावली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

16 नमूने जांच के लिए भेजे, 300 किलो मिलावटी खोया नष्ट

» बीपीएस न्यूज





कानपुर। आगामी दीपावली त्योहार को देखते हुए आम जनता को सुरक्षित और शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (स्वस्थ) ने कानपुर नगर में एक बड़ा प्रवर्तन अभियान चलाया। जिलाधिकारी कानपुर नगर और आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश के निर्देशों पर सहायक आयुक्त (खाद्य)-संजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में गठित टीमों ने सोमवार (02 नवंबर 2026) को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सघन छापेमारी की।

इस कार्रवाई के दौरान कुल 16 संदिग्ध खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला भेजे गए हैं। इसके साथ ही एक बड़ी कार्रवाई में लगभग 300 किलोग्राम मिलावटी खोया भी जब्त कर नष्ट किया गया।

इन प्रतिष्ठानों से लिए गए सैंपल

देवीपुरवा, घाटमपुर-मिश्रित दूध और खोया

हैरिसगंज- रिफाइंड सोयाबीन ऑयल और रिफाइंड पामोलिन ऑयल

कोयला नगर- मिल्क केक स्वीट और बर्फी

फीलखाना- पतीशा और रबड़ी

शिवाला रोड- खोया

गुंजनविहार, कर्रही-वनस्पति और घी

बिल्हौर- पनीर

अशोक नगर- कुन्दा, सोहनपापड़ी, दूध की बर्फी और पतीशा

विभाग के अनुसार, इन सभी 16 नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत आवश्यक कानूनी व अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

टीम को देख भागे व्यापारी, 300 किलो दूषित खोया नष्ट।

अभियान के दौरान गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन पर एक बड़ी सफलता हाथ लगी। फफूंद-कानपुर सेंट्रल मेमू ट्रेन से कुछ व्यापारियों द्वारा खोया उतारकर ऑटो पर लादा जा रहा था। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को देखते ही मिलावटखोर व्यापारी खोया छोड़कर मौके से भाग खड़े हुए।अधिकारियों के मुताबिक, यह खोया बेहद गंदी बोरियों में रखा हुआ था और प्रथम दृष्टया पूरी तरह अस्वास्थ्यकर, अस्वच्छ और मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त (दूषित) नजर आ रहा था। इसके बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए लगभग 300 किलोग्राम अनुमानित खोया (जिसकी बाजार कीमत करीब 90,000 रुपये आंकी गई है) को जब्त किया और गोविंदपुरी कूड़ा निस्तारण प्लांट ले जाकर पूरी तरह नष्ट करवा दिया।

दुकानदारों को दी गई चेतावनी

कार्यवाही के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मिठाई निर्माताओं और खाद्य कारोबारियों को सख्त हिदायत दी है। सभी दुकानदारों को जागरूक किया गया कि वे किसी भी खाद्य पदार्थ को प्रिंटेड पेपर या अखबारी कागज में रखकर न बेचें, क्योंकि इससे सेहत को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। प्रशासन ने साफ किया है कि मिलावटखोरों के खिलाफ यह अभियान त्योहार तक लगातार जारी रहेगा।

उज्ज्वला लाभार्थियों को निःशुल्क गैस सिलेंडर रिफिल की सब्सिडी वितरित



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन सभागार, लखनऊ में अपराह्न चार बजे प्रदेश के उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को निःशुल्क गैस सिलेंडर रिफिल की सब्सिडी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कानपुर नगर के सरसैया घाट चौराहा स्थित नवीन सभागार में किया गया।इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में उज्ज्वला योजना की लाभार्थियों श्रीमती सुशीला वर्मा, सोमवती वर्मा, पार्वती, पूनम सोनकर, शान्ती देवी, शम्मों और जीनत सहित अन्य लाभार्थियों को निःशुल्क गैस सिलेंडर रिफिल की सब्सिडी के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए।कार्यक्रम में विधायक कल्याणपुर नीलिमा कटियार, विधायक किदवई नगर महेश त्रिवेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वपनिल वरुण, विधान परिषद सदस्य सलिल विश्नोई एवं अरुण पाठक उपस्थित रहे।इस दौरान लाभार्थी सोमवती वर्मा सहित अन्य महिलाओं ने योजना से मिले लाभ साझा करते हुए बताया कि गैस सिलेंडर मिलने से उन्हें धुएं से मुक्ति मिली है। इससे सांस संबंधी परेशानियों और आंखों में जलन की समस्या में कमी आई है। साथ ही लकड़ी एवं उपले एकत्र करने में लगने वाले समय और मेहनत की बचत हो रही है।

दीपावली पर सात दिन निःशुल्क रहेंगी तीन मल्टीलेवल पार्किंग

झकरकट्टी बस अड्डे का दबाव घटाने को बदलेंगे बसों के रूट



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। झकरकट्टी बस अड्डे पर बसों का दबाव कम करने के लिए अब पश्चिमी जनपदों से लखनऊ और अन्य शहरों की ओर जाने वाली बसों को कानपुर शहर के भीतर प्रवेश नहीं करना पड़ेगा। आगरा, इटावा और गाजियाबाद की ओर से आने वाली ऐसी बसें, जिनका अंतिम गंतव्य कानपुर से आगे है, भौती, नौबस्ता फ्लाईओवर और रामादेवी मार्ग से सीधे अपने गंतव्य की ओर जाएंगी। वहीं, दीपावली पर खरीदारी के लिए बाजारों में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए फूलबाग, परेड और पंचक्की की मल्टीलेवल पार्किंग सात दिनों तक निःशुल्क रहेंगी। परेड के रामलीला मैदान में भी अस्थायी निःशुल्क पार्किंग की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही पांच नवंबर से सिग्नेचर सिटी बस अड्डे की लखनऊ, हरदोई और रायबरेली रूट की बसें सरैया क्रॉसिंग होकर संचालित होंगी। मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन की अध्यक्षता में मंगलवार को आयुक्त शिविर कार्यालय में हुई यातायात व्यवस्था की समीक्षा बैठक में इन व्यवस्थाओं को लागू करने के निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त ने कहा कि झकरकट्टी बस अड्डे पर बसों के अत्यधिक दबाव और सड़क किनारे खड़े वाहनों के कारण शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित होता है। इसके समाधान के लिए रोडवेज बसों के संचालन में बदलाव के साथ पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया जाए।

कानपुर से आगे जाने वाली पश्चिमी मार्गों की बसें शहर के भीतर नहीं आएंगी, सिग्नेचर सिटी बस अड्डे से बढ़ेगा संचालन

बैठक में निर्णय लिया गया कि आगरा, इटावा, गाजियाबाद सहित पश्चिमी जनपदों से आने वाली जिन बसों का अंतिम गंतव्य कानपुर नहीं, बल्कि लखनऊ अथवा अन्य स्थान हैं, उन्हें झकरकट्टी बस अड्डे से होकर नहीं गुजारा जाएगा। ऐसी बसों को भौती से नौबस्ता फ्लाईओवर होते हुए रामादेवी मार्ग से उनके निर्धारित गंतव्य की ओर भेजा जाएगा। इससे शहर के आंतरिक मार्गों पर अनावश्यक बस आवागमन कम होगा और झकरकट्टी बस अड्डे और टाटमिल चौराहे पर दबाव घटेगा।

इसके साथ ही विकासनगर स्थित सिग्नेचर सिटी बस अड्डे से बसों का संचालन बढ़ाया जाएगा। लखनऊ, हरदोई एवं रायबरेली रूट की बसों का संचालन इस बस अड्डे से किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि पांच नवंबर को सरैया क्रॉसिंग का शुभारंभ प्रस्तावित है। इसी दिन से लखनऊ, हरदोई एवं रायबरेली रूट की बसें सरैया क्रॉसिंग होते हुए संचालित होंगी। नई व्यवस्था से झकरकट्टी बस अड्डे पर बसों की संख्या कम होने के साथ जरीब चौकी से घंटाघर मार्ग पर यातायात को राहत मिलेगी।मंडलायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि झकरकट्टी बस अड्डे पर आने वाली बसों को परिसर के भीतर ही खड़ा किया जाए। सड़क पर किसी भी बस को खड़ा करने की अनुमति नहीं होगी। डग्गामार वाहनों के विरुद्ध भी विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए रोडवेज एवं पुलिस की संयुक्त टीम कार्रवाई करेगी।

दीपावली पर तीन मल्टीलेवल पार्किंग सात दिन निःशुल्क, रामलीला मैदान में भी मिलेगी सुविधादीपावली पर्व पर बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए फूलबाग मल्टीलेवल पार्किंग, परेड चौराहा मल्टीलेवल पार्किंग तथा पंचक्की मल्टीलेवल पार्किंग को सात दिनों के लिए पूर्णतः निःशुल्क करने का निर्णय लिया गया है। इसके अतिरिक्त परेड चौराहे के समीप स्थित रामलीला मैदान को अस्थायी निःशुल्क पार्किंग स्थल के रूप में उपयोग किया जाएगा।मंडलायुक्त ने कहा कि दीपावली पर शहर के साथ ही आसपास के जनपदों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए कानपुर आते हैं। निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग बढ़ने से प्रमुख बाजारों के आसपास सड़क किनारे वाहनों का जमाव कम होगा और यातायात सुचारु रहेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निःशुल्क पार्किंग व्यवस्था का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए।

प्रमुख बाजारों से हटेगा अतिक्रमण, गुणवत्ता जांच के बाद ही सड़क निर्माण कार्यों का भुगतान

मंडलायुक्त ने बड़ा चौराहा, परेड, विजयनगर, फजलगंज एवं कल्याणपुर सहित प्रमुख बाजारों और व्यस्त मार्गों के किनारे अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क एवं फुटपाथ पर अतिक्रमण से यातायात बाधित होता है। संबंधित विभाग संयुक्त रूप से कार्रवाई कर प्रमुख मार्गों को अतिक्रमणमुक्त कराएं।

सड़क मरम्मत कार्यों की समीक्षा के दौरान मंडलायुक्त ने मेट्रो अधिकारियों को विजयनगर चौराहा से डबल पुलिया मार्ग को शीघ्र मोटरेबल बनाने तथा कंपनी बाग से रावतपुर मार्ग पर चल रहे मरम्मत कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। मेट्रो अधिकारियों ने अवगत कराया कि गल्ला मंडी से विजयनगर चौराहा मार्ग को शीघ्र आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा।नगर निगम द्वारा कराए जा रहे गड्ढामुक्ति एवं सड़क सुदृढ़ीकरण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप कराए जाएं। सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की कोर कटिंग तथा एचबीटीयू से गुणवत्ता जांच कराने के बाद ही संबंधित कार्यों का भुगतान सुनिश्चित किया जाए।मंडलायुक्त ने परिवहन विभाग, यातायात पुलिस, नगर निगम एवं अन्य संबंधित विभागों को सभी निर्णयों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से दीपावली पर्व के दौरान प्रमुख बाजारों एवं व्यस्त मार्गों पर यातायात प्रबंधन को प्राथमिकता देने को कहा।

बैठक में संयुक्त पुलिस आयुक्त विपिन ताडा, पुलिस उपायुक्त यातायात अभयनाथ त्रिपाठी, संभागीय परिवहन अधिकारी राकेंद्र सिंह, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज रामलवट चौधरी, अपर नगर आयुक्त अनूप कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों के हुनर से सजा दीपावली विशेष स्टॉल, जिलाधिकारी ने किया शुभारंभ



» बीपीएस न्यूज

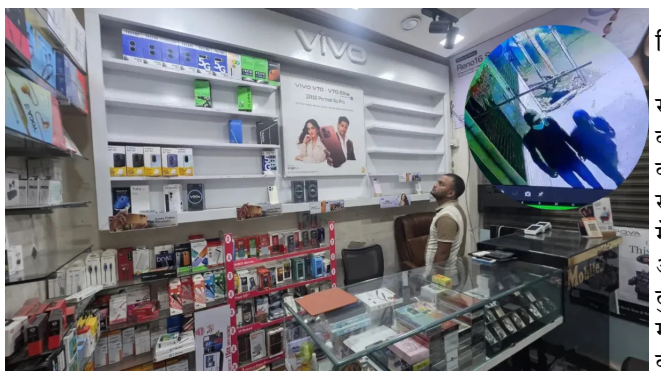
कानपुर। दीपावली के शुभ अवसर पर आज कलेक्ट्रेट परिसर, कानपुर नगर में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित संस्था दिव्यांग डेवलपमेंट सोसाइटी की ओर से दिव्यांग बच्चों द्वारा तैयार किए गए हस्तनिर्मित उत्पादों का विशेष स्टॉल लगाया गया।

स्टॉल का शुभारंभ कानपुर नगर के जिलाधिकारी श्री महेंद्र सिंह तंवर (ट्वस्) द्वारा किया गया। जिलाधिकारी महोदय ने बच्चों द्वारा अपने हुनर और मेहनत से तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों का अवलोकन किया तथा बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। उनका प्रोत्साहन बच्चों के लिए बेहद प्रेरणादायक रहा। इस अवसर पर जिलाधिकारी महोदय ने बच्चों की प्रतिभा और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संस्था की संस्थापक एवं निदेशक मनीप्रीत कौर ने जिलाधिकारी महोदय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों को जब समाज और प्रशासन का प्रोत्साहन मिलता है, तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। संस्था का निरंतर प्रयास है कि दिव्यांग बच्चों को कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाए और उनकी प्रतिभा को उचित मंच प्रदान किया जाए।इस अवसर पर प्राची तिवारी, अपूर्वा शर्मा, आमना, पलक, अर्चिता, प्रांशु सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मोबाइल शॉप पर लाखों की चोरी, भाई की बेकरी से घुसे चोर, उड़ा ले गए 20 लाख का माल

» बीपीएस न्यूज



कानपुर गोविंद नगर के स्टेशन रोड पर सोमवार देर रात बेकरी शॉप का ताला तोड़कर घुसे चोरों ने बगल में स्थित मोबाइल शॉप से करीब 20 लाख रुपये के मोबाइल और अन्य सामान चोरी कर लिया। चोर दुकान की डिस्प्ले और काउंटर पर रखे 70 से 80 मोबाइल के साथ गल्ले में रखी करीब 50 हजार रुपये की नकदी भी ले गए। सुबह दुकान का ताला टूटा मिलने पर घटना की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो दो चोर वारदात करते दिखाई दिए।

गोविंदपुरी स्टेशन निवासी गोपाल शर्मा की घर के ही निचले तल पर मोबाइल शॉप है और ठीक बगल में उनके बड़े भाई अंशु शर्मा की बेकरी शॉप है। अंशु ने बताया कि दोनों दुकानों के बीच पार्टीशन है, लेकिन बीच में एक रास्ता है, जिस पर दरवाजा नहीं लगा है। सोमवार रात दुकान के लिए मोबाइल कंपनी का बोर्ड आया था, जिसे लगवाने के बाद रात करीब 12 बजे दोनों दुकानें बंद कर परिवार के लोग ऊपर घर में सोने चले गए। अगली सुबह जब वह मंगलवार को दुकान खोलने आए, तो बेकरी शॉप का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखने पर मोबाइल शॉप में सामान बिखरा पड़ा था।

बताया कि चोर बेकरी शॉप के रास्ते मोबाइल शॉप में दाखिल हुए और करीब 20 लाख रुपये का सामान चोरी कर ले गए। वहीं बेकरी शॉप से कोई सामान नहीं चुराया। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे दोनों चोरों के सिर पर कैप और चेहरे पर मास्क लगा हुआ है। दोनों दुकान की डिस्प्ले और काउंटर पर रखे मोबाइल समेटते दिखाई दे रहे हैं। कैश काउंटर में रखी करीब 50 हजार रुपये की नकदी भी गायब मिली। अंशु ने पुलिस को तहरीर देने की बात कही है। कार्यवाहक प्रभारी इंस्पेक्टर संजय सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस टीम चोरों की तलाश कर रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

दक्षिण में भी बैठेंगे बड़े अफसर, ट्रैफिक सुधरेगा:गोपीकृष्ण पांडे

नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्य गोपीकृष्ण पांडे ने बताई अपनी कार्ययोजना, कहा, दक्षिण में बना अस्पताल मार्च में शुरू हो जाएगा, दीवाली बाद अधिकारियों की बैठक कर शहर की समस्याओं के समाधान पर बात होगी

बीपीएस न्यूज



कानपुर। राज्यसभा सांसद गोपीकृष्ण पांडे ने गुरुवार को कहा कि उनकी प्राथमिकता ट्रैफिक सुधार है। दक्षिण क्षेत्र में बना सौ बेड का अस्पताल मार्च में शुरू हो जाएगा।

यह भी दावा किया कि इस बार जिले की सभी सीटें भाजपा जीतेगी और तीसरी बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी।

सांसद बनने के बाद गोपीकृष्ण पांडे पहली बार कानपुर प्रेस क्लब में 'प्रेस से मिलिए' आयोजन में पत्रकारों से रूबरू बात कर रहे थे। पांडे ने कहा कि अब यहां की ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त है और इसे सुधारना हमारी प्राथमिकता है। नगर निगम, कलेक्ट्रेट जैसे विभाग, जिनसे आए दिन जनता को काम पड़ता है, उनके बड़े अफसर दक्षिण क्षेत्र में भी बैठें। इनका दफ़्तर एक ही परिसर में हो। जैसे एसडीएम और अपर नगर आयुक्त भी यहां बैठें।

डीसीपी का कार्यालय पहले से है। यह भी विचार हो सकता है कि भविष्य में रजिस्ट्री दफ़्तर का भी एक अधिकारी यहां बैठे। तब दक्षिण क्षेत्र की जनता को दूर नहीं जाना पड़ेगा। यह अफसर यहीं इनकी समस्या सुनें और समाधान करें। यदि उनसे ऊपर के अधिकारी का अधिकार हो तो फाइल वहां भेज दें। दक्षिण का अस्पताल भी शुरू हो जाए और फिर किसी हद तक ट्रैफिक सुधर सकता है। ओवरब्रिजों की भी ज़रूरत है। कानपुर के औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन की भी योजना है और इस पर शीघ्र अमल होगा। दीवाली बाद अधिकारियों के साथ बैठक कर योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा।

किदवईनगर में बनाएंगे कार्यालय, नियमित होगी सुनवाई

पांडे ने बताया कि शीघ्र ही किदवई नगर में उनका कार्यालय खुल जाएगा।

वहां वह खुद या फिर उनका कोई जिम्मेदार प्रतिनिधि नियमित बैठेगा और जनता की शिकायतें सुनेगा, संबंधित अधिकारियों से बात करके उनका तय समय में समाधान किया जाएगा।

यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, ज़ब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे, ऐसी व्यवस्था कार्रवाई थी। हर सोमवार हर मंत्री के दफ्तर का दरवाजा आम जनता के लिए खुला रहता था और समस्या का समयबद्ध समाधान होता था।

कोई गुट नहीं, सब ठीक हो जाएगा

भाजपा के भीतर गुटबाज़ी के सवाल पर गोपीकृष्ण पांडे ने कहा कि हो सकता है कुछ कमियां हों, लेकिन यह कोई बड़ी बात नहीं है। कुछ समय बाद सब ठीक हो जाएगा। सभी नेता और कार्यकर्ता पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। यह भी कहा कि उन जैसे छोटे कार्यकर्ता को इतना बड़ा पद दे दिया गया तो किसी को कभी भी जिम्मेदारी मिल सकती है ।

जिले की सभी सीटें जीतेंगे

पांडे ने दावा किया कि इस बार भाजपा कानपुर की सभी दस सीट जीतेगी। सीसामऊ, आर्यनगर और छावनी क्षेत्र पर खास फोकस है। इन सभी सीटों पर जिताऊ प्रत्याशी उतारा जाएगा और इसके लिए क़वायद चल रही है। संगठन तेज़ी से काम कर रहा है। बूथ स्तर तक संपर्क हो रहा है द्य इस बार प्रदेश में फिर भाजपा सरकार बनेगी।

पांडे ने वादा किया कि अब दक्षिण क्षेत्र में भी कानपुर प्रेस क्लब का भव्य तिमंजिला कार्यालय बनवाने का इंतज़ाम करेंगे। साथ ही पत्रकारों के इलाज और पेंशन के लिए भी केंद्र और प्रदेश सरकार के सामने भी यह मामला उठाएंगे। यह भी हमारी जिम्मेदारी है।



पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा पटाखा दुकानों एवं सर्राफा बाजार का किया गया निरीक्षण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। आगामी त्योहारों के दृष्टिगत कानून एवं शांति व्यवस्था तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज थाना गोविन्द नगर क्षेत्रांतर्गत पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी, अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिण अरीबा नोमान, सहायक पुलिस आयुक्त बाबूपुरवा एवं प्रभारी निरीक्षक थाना गोविन्द नगर द्वारा संयुक्त रूप से भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया ।इस दौरान रामलीला मैदान में संचालित पटाखा दुकानों का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों एवं अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। दुकानदारों को निर्धारित सुरक्षा नियमों का पालन करने, दुकानों में ज्वलनशील पदार्थ न रखने, बीड़ी-सिगरेट एवं अन्य धूम्रपान सामग्री का प्रयोग न करने तथा अग्निशमन उपकरणों को सदैव क्रियाशील रखने के निर्देश दिए गए।इसके अतिरिक्त थाना क्षेत्र के मुख्य बाजार एवं सर्राफा प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर व्यापारियों से वार्ता की गई तथा सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में आवश्यक सुझाव एवं जानकारी साझा की गई। व्सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने एवं किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए जागरूक किया गया ।तत्पश्चात थाना क्षेत्र के प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील स्थानों पर पुलिस अधिकारियों द्वारा पुलिस बल के साथ पैदल गश्त की गई। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कता एवं मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा आमजन की सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

नही सुधर रहे बस चालक, सड़को पर भरी जा रही सवारिया, पूर्व में शिकायतों के बावजूद कार्यवाही का नही दिखा असर



कानपुर। टाटमील चैराहा शहर का सबसे व्यस्व चैराहा है और अधिकांश समय यहां जाच की स्थिति बनी रहती है। विशेष रूप से यह स्थिति बस अडडे के कारण जाम की स्थिति और भी विकट हो जाती है। रोडवेड की बसे बस स्टाप के अंद के बजाय रोड पर ही खडी रहती है। वहीं टाटमिल चैराहे पर भी बस चालक मनमानी करते हुए जीटी रोड के किनारे बसें खडी कर फतेहपुर, प्रयागराज, लखनऊ के लिए सवारियों का इंतजार करते रहते है और अन्य वाहनो के लिए यही समस्या का कारण है ।बताते चले कि लगातार समाचार पत्रों में रोडवेज बस चालकों की मनमानी की खबरो के बाद विभाग द्वारा कार्यवाही की गयी और बस चालकों को सख्ती से हिदायत दी गयी थी कि सडक पर कोई बस नही खडी होगी। वहीं इसके लिए एक व्यक्ति को भी बस स्टाप के बाहर नियुक्त किया गया था जो बसों को सडक पर नही खडा होने देता था। कुछ समय बाद सारी कवायद फेल हो गयी और बस स्टाप के बाहर दोनो तरफ सडक तथा पुल पर बसों की कतारें लगी रहती है। बस चालकों पर किसी कार्यवाही का असर नही दिखाई दे रहा है और उनकी मनमानी व अराजकता जारी है ।बीते सात महीनों में 13 सौ से ज्यादाबाद चालान भी किया जा चुका है वहीं अपर पुलिस आयुक्त कानून वयवस्था डा0 विपिन ताडा द्वारा पूर्व में मण्डलायुक्त को पत्र लिखकर समस्या से अवगत भी कराया गया था। बसों की अराजकता के कारण झकरकटी पुल से टाटमिल चैराहे तक हमेशा जाम लगा रहता है। ऐसे में चार पहिया वाहन, टैक्सी फंस जाते है और छोटे वाहन भी नही निकल पाते।

कानपुर नगर वासियों को दीपावली व छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं



डीजे सैश

सभी कानपुर नगर वासियों को दीपावली व छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं



अर्जुन विक्रम सोमवंशी
चिकित्सा संवाददाता

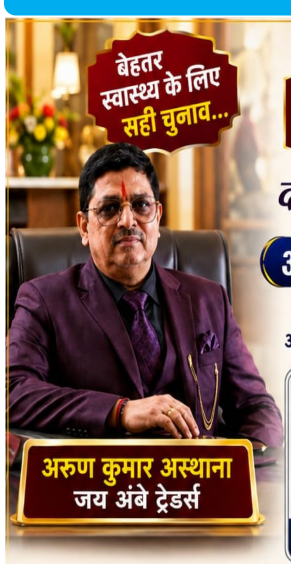
कानपुर नगर वासियों को धनतेरस व दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनायें



सौरभ गौड़
संवाददाता

सभी नगर वासियों को दीपावली व छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं

बेहतर स्वास्थ्य के लिए सही चुनाव...



अरुण कुमार अस्थाना
जय अंबे ट्रेडर्स

CARE-TEX®
OUR MISSION IS PATIENT CARE

30 YEARS of EXCELLENCE

दर्द कम... जीवन खुशहाल...

आपके स्वस्थ जीवन का साथी

अब पाएं Care-Tex के उच्च गुणवत्ता वाले ऑर्थोपेडिक व फिजियोथेरेपी सपोर्ट प्रोडक्ट्स हमारे यहाँ

- बेहतरीन क्वालिटी
- टिकाऊ और आरामदायक
- डॉक्टरों द्वारा अनुशंसित
- हर उम्र के लिए उपयोगी
- वाजिब दाम, भरोसेमंद सेवा



Wrist Band (Thumb Support)



Shoulder Immobilizer (Extra Support)



Harsons ELECTRIC BACK REST

Lumbo Sacral Belt (Contour)

हमारे उपलब्ध अन्य प्रमुख प्रोडक्ट्स



Knee Cap | Ankle Support | Elbow Support | Cervical Collar | Arm Sling | Wrist Support | Posture Belt | Finger Support

दर्द से राहत बेहतर समर्थन | उच्च गुणवत्ता | वाजिब दाम बेहतर सेवा | डॉक्टरों की पहली पसंद | 30 वर्षों का विश्वास

Caretex कार्यालय
19/174, पटकापुर, कानपुर

संपर्क करें 9936442547, 7705800400



आपकी सेहत... हमारी प्राथमिकता | Care-Tex – मरीजों की देखभाल ही हमारा लक्ष्य

कानपुर नगर वासियों को दीपावली व छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं



DRx Bablu Prajapati
Reg No. 109052

मनोयोग फार्मेसी

सभी प्रकार की दवा उचित रेट में मिलती है।

130/17 बागाही भट्टा, टी.पी. नगर, कानपुर मो:- 9118605090

सभी नगर वासियों को दीपावली व छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं

गुप्ता मेडिकल्स

स्टाकिस्ट :-मैकल्याइस, एबोट, टोरेंट, डाक्टर रेड्डी,शीगल, एफडीसी, लुरिन, कैडिला सन आदि

प्रोपराइटर:- राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता
मोबाइल नंबर:-9336233789

शाप नंबर-3 रामजानकी मार्केट 59/55 बिरहाना रोड कानपुर

सभी कानपुर नगर वासियों को दीपावली व छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं

गुप्ता ब्रदर्स एजेंसीज



स्टॉकिस्ट - मैकल्याइस, एबोट, टोरेंट, डॉक्टर रेड्डी, शीगल, एफडीसी, लुपिन आदि

प्रोपराइटर: प्रेरणा गुप्ता मो. नंबर 9415738023

शॉप नंबर 6 फर्स्ट फ्लोर, राम लक्ष्मण जानकी मार्केट, 59/55 बिरहाना रोड, कानपुर

पी.के. मेडिकल्स
अजन्ता क्रेप वेण्डज

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

- R.R. Products (Relief) Belt LS, AD, Harniya
- KNEE CAP (R-R-Products)
- Surg Plus Bondage (shanti Surgicahs)
- AJANTA Bandage
- Syrings 2ml, 3ml, 5ml, 10ml, 20ml, 50ml HMI Care Hitech
- Ivset (JVS) (RMS)
- Paper Tape All Size



Mob. 9140686380 | Whatsapp 9451219499

प्रो. प्रमोद कुमार दीक्षित

कानपुर नगर वासियों को धनतेरस व दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनायें

नवनीत गुप्ता
छायाकार



कानपुर नगर वासियों को धनतेरस व दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनायें

राजेन्द्र कुमार जायसवाल

की तरफ से सभी कानपुर नगर वासियों, क्षेत्रवासियों व ईष्ट मित्रों को दीपावली व छठ पूजा की



मो. 9305698351

हार्दिक शुभकामनायें

256/5, बाबूपुरवा कालोनी किदवई नगर, कानपुर

थार ने एलआईसी एजेंट को रौंदा 20 मीटर तक घसीटा, दर्दनाक मौत

कानपुर। कल्याणपुर के आवास-विकास तीन में अनियंत्रित थार ने स्कूटी से जा रहे एलआईसी एजेंट को जोरदार टक्कर मारने के बाद रौंद दिया। उन्हें करीब 20 मीटर तक घसीटते ले गई। स्कूटी के परखच्चे उड़ गए जबकि स्कूटी सवार की मौत हो गई। थार में दो युवतियां सवार थीं जो नशे की हालत में बताई गईं। घटना के बाद दोनों ने फोन कर एक कार बुलाई और उसमें सवार होकर निकल गईं। पुलिस ने शव को मोर्चरी भिजवा कर थार जब्त कर ली ।पनकी के स्वराजनगर निवासी संतोष सिंह चौहान (61) एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस के एजेंट के रूप में कार्य करते थे। परिवार में पत्नी सुनीता, इंजीनियर बेटा राहुल और एमएनसी बंगलूरू में कार्यरत बेटी साक्षी हैं। राहुल ने बताया कि पिता शनिवार देर शाम केशवपुरम स्थित एक साड़ी शोरूम से मां के लिए साड़ी खरीदने गए थे। घर लौटने के दौरान गायत्री पैलेस के पास थार ने उन्हें रौंद दिया। कल्याणपुर इंस्पेक्टर केशव तिवारी ने बताया कि गाड़ी जब्त कर ली गई है। कार्रवाई की जा रही है।

एसआईआर से विपक्ष खासकर कांग्रेस परेशान : गोपी पांडेय



» हर कार्यकर्ता के लिए सदैव उपलब्ध हूं

» नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद का प्रथम नगर आगमन

» 23 स्थानों पर हुआ स्वागत; आनंदपुरी में बूथ अध्यक्ष का किया सम्मान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद गोपी कृष्ण पांडेय के बुधवार को पहली बार कानपुर आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह स्वागत किया। उनके स्वागत के लिए शहर में 23 स्थानों पर कार्यक्रम निर्धारित किए गए थे। एयरपोर्ट से लेकर शहर के प्रमुख चौराहों और बाजारों तक भाजपा के झंडे-बैनरों से सजावट की गई थी। स्वागत के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

दोपहर करीब 12-30 बजे गोपी कृष्ण पांडेय चकेरी एयरपोर्ट से बाहर आए तो वहां मौजूद कार्यकर्ताओं ने गगनभेदी नारों के बीच फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट पर महापौर प्रमिला पांडेय, भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह, उत्तर जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, विधायक महेश त्रिवेदी, विधायक सुरेंद्र मैथानी, नीलिमा कटियार, प्रकाश वीर आर्य , पूनम कपूर और पूर्व विधायक अजय कपूर समेत कई जनप्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। महापौर के बेटे बंटी पांडेय और भाजपा पार्षद दल के नेता नवीन पंडित करीब 35 कारों के काफिले के साथ स्वागत करने पहुंचे। एयरपोर्ट से बारहदेवी स्थित उनके आवास तक के प्रमुख मार्गों को भाजपा के झंडों और बैनरों से सजाया गया था।

भाजपा के ÷लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ÷ कार्यक्रम के चलते स्वागत यात्रा के मार्ग में बदलाव करना पड़ा। एयरपोर्ट से निकलने के बाद गोपी पांडेय पूर्व निर्धारित मार्ग से बीच में ही मुड़कर बृजेन्द्र स्वरूप पहुंचे और वहां कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह कुछ विलंब से अपने निर्धारित स्वागत मार्ग पर पहुंचे।

स्वागत यात्रा के दौरान हरजेंद्र नगर चौराहा, लाल बंगला चौराहा, लाल बंगला मार्केट, पंडित होटल, नरोना चौराहा, फूलबाग, माल रोड बड़ा चौराहा, नवीन मार्केट स्थित भाजपा कार्यालय, लाल इमली और चुन्नीगंज बकर मंडी में उनका अभिनंदन किया गया। इसके बाद पी रोड गरीब चौकी, कालपी रोड संगीत टाकीज, चंद्रिका देवी मंदिर, देना नगर, जीटी रोड अफीम कोठी, केशव भवन संघ कार्यालय, जूही, बारा देवी चौराहा, किदवई नगर साइड नंबर-1 और किदवई नगर चौराहे पर भी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

आनंदपुरी में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में गोपी पांडेय ने अपने पोलिंग बूथ पर पहुंचकर बूथ अध्यक्ष का सम्मान किया। अपने प्रथम नगर आगमन पर मिले स्वागत से अभिभूत गोपी पांडेय ने कहा कि वह हर कार्यकर्ता के लिए सदैव उपलब्ध हैं। कोई भी कार्यकर्ता अपनी समस्या या सुझाव लेकर उनसे मिल सकता है।

उन्होंने कहा कि संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता महत्वपूर्ण है और वह हमेशा उनके सम्मान एवं समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहेंगे।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष के कारनामे जनता देख रही है। एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) में करोड़ों घुसपैठियों का पता लगने के बाद विपक्षी दल, खासकर कांग्रेस परेशान है। उन्होंने कहा कि जनता के सामने सच्चाई आ रही है। स्वागत यात्रा का अंतिम पड़ाव केशव नगर स्थित भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय रहा। यहां उन्होंने क्षेत्रीय अध्यक्ष और पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात की।

दीपावली के दिन खूनी खेल: पति ने पत्नी के सिर पर पटरा मारकर की हत्या, आरोपी गिरफ्तार



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चकेरी थानाक्षेत्र के संजीव नगर कच्ची बस्ती में दीपावली के दिन पति ने पत्नी की सिर पर पटरा मारकर हत्या की। घटना के बाद इलाके के अफरातफरी मच गई। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। संजीव नगर कच्ची बस्ती निवासी करन कुमार पेंटिंग का काम करता है। रविवार सुबह उसने खाना खाया।फिर पत्नी से उसने रीता देवी (30) से पानी मांगा। इस दौरान दोनों लोगों का आपस में विवाद हो गया। तभी पति ने गाली-गलौज शुरू कर दी।

विरोध करने पर उसने गुस्से में पति के सिर पर पटरा मार दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि आरोपी पति करन को गिरफ्तार कर लिया।

जर्जर मकान की छत ढही, मलबे में दबकर उजड़ा परिवार, 15 दिन की मासूम समेत तीन की मौत





» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के पनकी थाना क्षेत्र में एक बेहद दर्दनाक हादसा हो गया है, जहां अचानक एक मकान की छत ढह गई। हादसे के वक्त कमरे में सो रहे एक ही परिवार के तीन लोग मलबे के नीचे बुरी तरह दब गए। आनन-फानन लोग और पुलिस की मदद से रेस्क्यू कर सभी को बाहर निकाला गया। इसके बाद अस्पताल भिजवाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों में महज 15 दिन की एक नवजात मासूम बच्ची भी शामिल है। बच्ची की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे के बाद जोरदार आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर एकत्र हुए और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस बल ने स्थानीय लोगों के सहयोग से भारी मलबा हटाकर दबे हुए लोगों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों के मुताबिक अत्यधिक चोट लगने और दम घुटने के कारण अस्पताल लाने से पहले ही तीनों की मृत्यु हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बदलते मौसम में इन सब्जियों से बनायें दूरी

वरना फूड पॉइजनिंग के हो सकते हैं शिकार



बारिश का मौसम जितना राहत देता है, उतनी ही बीमारियां भी अपने साथ लाता है। आयुर्वेद और मॉडर्न मेडिकल साइंस, दोनों ही मानसून में खान-पान को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। इस मौसम में हवा में नमी बढ़ जाती है, जो बैक्टीरिया, फंगस और कीड़ों के पनपने के लिए सबसे अनुकूल माहौल है। ऐसे में कुछ ऐसी सब्जियां हैं, जिन्हें बारिश के दिनों में अपनी थाली से पूरी तरह दूर रखना चाहिए, क्योंकि इन्हें खाने से आप तुरंत फूड पॉइजनिंग, डायरिया या पेट के गंभीर इन्फेक्शन का शिकार हो सकते हैं।

» हरी पत्तेदार सब्जियां

आमतौर पर सेहत के लिए वरदान मानी जाने वाली हरी पत्तेदार सब्जियां मानसून में सबसे बड़ी दुश्मन बन सकती हैं। पत्तागोभी, पालक और ब्रोकली जैसी सब्जियों की परतों के बीच छोटे-छोटे कीड़े और उनके अंडे छिपे होते हैं, जो सामान्य रूप से धोने पर भी नहीं निकलते। इसके अलावा, बारिश के पानी और मिट्टी के संपर्क में रहने के कारण इनमें बैक्टीरिया का लोड बहुत ज्यादा होता है।

» फूलगोभी न खाएं

फूलगोभी की बनावट ऐसी होती है कि इसमें नमी आसानी से रुक जाती है। यह नमी कीड़ों और फंगस को आकर्षित करती है। बारिश के दिनों में गोभी के अंदर छोटे-छोटे कीड़े (जिन्हें देखना भी मुश्किल होता है) घर बना लेते हैं, जो पेट में जाकर गंभीर इन्फेक्शन पैदा कर सकते हैं।

» मशरूम न खाएं

मशरुम सीधे तौर पर मिट्टी और नमी वाले वातावरण में उगते हैं। मानसून के दौरान इनमें बैक्टीरिया और फंगस के पनपने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। अगर मशरूम ठीक से साफ न हो या थोड़ा भी बासी हो, तो यह सीधा आपको अस्पताल पहुंचा सकता है। इसलिए इसे बारिश में खाने से बचें।

सब्जियों को बनाने से पहले करें ये काम

अगर कोई सब्जी बनानी भी है, तो उसे पकाने से पहले गुनगुने नमक वाले पानी या सिरके के पानी से अच्छी तरह धोएं।बारिश में सलाद या कच्ची सब्जियां खाने से पूरी तरह बचें। हमेशा अच्छी तरह पका हुआ भोजन ही करें।

सोशल मीडिया पर छाया आरव का नया लुक!



» बीपीएस न्यूज

भारतीय फिल्म जगत के पहले पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना के नाती आरव भाटिया बॉलीवुड के चमक दमक से दूर ही रहते हैं लेकिन उनकी एक झलक भी सोशल मीडिया पर देखते ही देखते वायरल हो जाती है। बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार के पुत्र आरव विदेश में रहकर एक अलग फील्ड में अपना करियर बनाने की कोशिश में जुटे हैं। खुद अक्षय कुमार कई बार कर चुके हैं कि आरव फिल्मी दुनिया में अपना करियर नहीं बनाना चाहते। हाल ही में आरव अपने माता-पिता अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के साथ मनीष मल्होत्रा द्वारा आयोजित दिवाली पार्टी में पहुंचे, जहां सारी नजरें उन पर टिक गईं। इस पार्टी में माधुरी दीक्षित, श्रीराम नेने, करीना कपूर, सैफ अली खान और शाहीन भट्ट सहित बॉलीवुड के कई सितारों ने शिरकत की।

इस दिवाली बैश में आरव अपने मम्मी-पापा के साथ ट्विनिंग करते हुए चिकनकारी एंब्रॉयडरी वाला व्हाइट कुर्ता-पायजामा पहनकर पहुंचे थे, जिसमें वह बेहद हैंडसम लग रहे थे। उन्होंने एक हैवी बॉर्डर वाले मैचिंग दुपट्टे के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया। उनके कुर्ते में डीप वी-नेकलाइन थी, जिस पर गोल्डन और सिल्वर जरी का काम था, जो आरव के पूरे लुक को खास बना रहा था। आरव ने अपने लुक को सिंपल लेकिन, क्लासी रखा, बालों को बैक-कॉम्ब स्टाइल में सेट किया था और क्लीन शेव लुक कैरी किया था। उनका ये लुक अब सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है।

प्रस्तुतिः काली दास पाण्डेय

फैटी लिवर के लक्षण घटाने में असरदार है सुबह-सुबह जीरे का पानी पीना



घर की रसोई में ऐसे कई मसाले मौजूद है, जो औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं और जिनका इस्तेमाल सिर्फ रंगत व स्वाद के लिए नहीं बल्कि सेहत से संबंधित परेशानियों को दूर करने में भी किया जाता है। जीरा इन्हीं में से एक है। वैसे तो दाल और सब्जी में जीरे लड़का जरुर लगाया जाता है, हालांकि कई लोगों को जानकारी नहीं होती है कि यह छोटा-सा बीज कैसे डाइजेशन को दुरुस्त करके गैस और ब्लोटिंग को दूर करता है। कहा जाता है कि खाली पेट जीरा का पानी पीने से फैटी लिवर के लक्षण रिवर्स हो जाते हैं।क्या जीरे के पानी से रिवर्स हो सकते हैं फैटी लिवर के लक्षण?जीरे का पानी सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इसे खाली पेट सेवन करने से गैस, एसिडिटी, ब्लोटिंग और कब्ज की समस्या दूर होती है। इससे फैटी लिवर के लक्षणों को कम करने में मदद मिलती है, क्योंकि खाली पेट एक गिलास जीरा पानी पीने से शरीर को कुछ जरुरत मिनरल्स मिलते हैं और यह पचान तंत्र की सफाई करने में मदद करता है। लेकिन फैटी लिवर को कम करने के लिए इस पर निर्भर रहना ही सही नहीं होगा।

फैटी लिवर क्यों होता है?फैटी लिवर होने के मुख्य कारण मेटाबॉलिज्म में होने वाले बदलाव। अगर आप सुस्त जीवनशैली, मोटापा, डिस्लिपिडेमिया (खून में फैट का असंतुलन), खराब खान-पान और नींद के गलत पैटर्न के कारण होते हैं। वहीं, लाइफस्टाइल संबंधित कुछ आदतें जैसे कि नियमित व्यायाम न करना, नाइट शिफ्ट में काम करना, खाने का कोई निश्चित समय न होना, डाइट में बहुत अधिक रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट, चीनी वाली चीजें, तला-भुना खाना, प्रोसेस्ड फूड और पैकेट बंद खाने का ज्यादा सेवन करना और तेल का अधिक इस्तेमाल, लिवर में कैलोरी और फैट जमा होने का कारण बनती हैं।

रोशनी के साथ रिश्तों और उम्मीदों का फिल्मी सफर



हिंदी फिल्मों में दिवाली का सफर केवल दीयों, पटाखों और मिठाइयों तक सीमित नहीं रहता। कभी यह त्योहार बिछड़े परिवार के मिलन की उम्मीद बना, तो कभी किसी किरदार के जीवन की सबसे दर्दनाक याद। 1940 के दशक की...

हिंदी फिल्मों में दिवाली का सफर केवल दीयों, पटाखों और मिठाइयों तक सीमित नहीं रहता। कभी यह त्योहार बिछड़े परिवार के मिलन की उम्मीद बना, तो कभी किसी किरदार के जीवन की सबसे दर्दनाक याद। 1940 के दशक की फिल्मों से लेकर आधुनिक सिनेमा तक दिवाली ने प्रेम, पारिवारिक एकता, असमानता, अपराध और मानवीय संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने में अहम भूमिका निभाई है। परदे पर इस त्योहार का रूप बदला, फिल्माने का ढंग बदला, लेकिन इसकी भावनात्मक ताकत आज भी कायम है। ज्यादातर फिल्मों के कथानक में दिवाली के बहाने कोई नया ट्विस्ट आया। होली के बाद दिवाली ही तो ऐसा त्योहार है, जिसने फिल्मकारों को हर बार कुछ नया करने के लिए उत्साहित किया।

हिंदी सिनेमा में दिवाली के शुरुआती इतिहास की बात करें तो 1940 में निर्देशक जयंत देसाई की फिल्म 'दीवाली' का उल्लेख मिलता है। इसमें मोतीलाल, माधुरी और वसंती प्रमुख भूमिकाओं में थे। इसे दिवाली पर केंद्रित शुरुआती हिंदी फिल्मों में गिना जाता है। हालांकि, इसे सिनेमा में दिवाली के प्रथम उल्लेख की निर्विवाद शुरुआत कहना जरा मुश्किल है। 1941 की फिल्म 'खजांची' के गीत 'दीवाली फिर आ गई सजनी' ने त्योहार को संगीत से जोड़ा। 1943 की 'किस्मत' का गीत 'घर-घर में दिवाली है, मेरे घर में अंधेरा' उत्सव के बीच सामाजिक असमानता और व्यक्तिगत पीड़ा दिखाता है। इसके बाद 1949 की 'शीश महल' के 'आई रे आई रे दिवाली' और 1960 की 'नजराना' के 'एक वो भी दिवाली' जैसे गीतों ने त्योहार को प्रेम, विरह और यादों से जोड़ा। 1955 की 'घर घर में दिवाली' और 1956 की 'दीवाली की रात' जैसी फिल्मों ने त्योहार को सीधे अपने नाम और कथानक से जोड़ा। 1959 की 'पैगाम' का गीत 'कैसे दिवाली मनाएं हम लाला' आर्थिक असमानता को सामने लाता है, जबकि 1964 की 'हकीकत' का 'आई अब के साल दिवाली' उत्सव में भावनात्मक यादों का रंग भरता है। इस दौर में दिवाली केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं रही, बल्कि भारतीय परिवार, सामाजिक परिस्थितियों और रिश्तों को दिखाने का माध्यम बनने लगी।

'अनुराग' (1972)- फिल्म में दृष्टिहीन बच्चे की इच्छा पूरी करने के लिए मोहल्ले के लोग दिवाली मनाते हैं। रोशनी का यह दृश्य सामूहिक संवेदना और दूसरे की खुशी के लिए एकजुट होने का संदेश देता है। जबकि, प्रकाश मेहरा की फिल्म 'जंजीर' (1973) में बालक विजय दिवाली की रात अपने माता-पिता की हत्या का गवाह बनता है। पटाखों के शोर के बीच हुई यह घटना उसके जीवन की दिशा बदल देती है। फिल्म के अंत में इसी दिवाली पर उसे माता-पिता के हत्यारे का सामना करने का अवसर मिलता है। इस तरह त्योहार दर्द और न्याय, दोनों का प्रतीक बन जाता है। सूरज बड़जात्या की फिल्म 'हम आपके हैं कौन' (1994) ने पारिवारिक उत्सवों को भव्य अंदाज दिया। 'धिक ताना' गीत और पारिवारिक समारोहों में सजे आंगन, पारंपरिक कपड़े, संगीत और रिश्तों की आत्मीयता ने दर्शकों को अपने घर की याद दिलाई। कमल हासन फिल्म 'चाची 420' (1997) में पटाखों से जुड़ा प्रसंग हास्य के साथ बच्चों की सुरक्षा की बात को भी सामने लाता है। महेश मांजरेकर की फिल्म 'वास्तव' (1999) में रघु यानी संजय दत्त दिवाली पर सोने की भारी चेन पहनकर मां से मिलने घर पहुंचता है। उसका चर्चित '50 तोला' संवाद बाहरी अमीरी और भीतर के अपराधबोध का विरोधाभास दिखाता है।

'मोहब्बतें' (2000) का गीत 'पैरों में बंधन है' दिवाली का उत्सव युवा प्रेम, आजादी और पुरानी मान्यताओं के विरुद्ध खड़े होने का प्रतीक बनता है। गुरुकुल के विद्यार्थियों का उत्सव सख्त अनुशासन के बीच भावनात्मक विद्रोह की अभिव्यक्ति है। करण जौहर की फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' (2001) में जया बच्चन की भूमिका निभाने वाली नंदिनी अपने बेटे राहुल यानी शाहरुख खान की प्रतीक्षा करती हैं। पूजा, जलते दीये और बेटे की वापसी का दृश्य मां की ममता तथा टूटे रिश्तों को जोड़ने की उम्मीद का यादगार उदाहरण है। संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' (2002) में 'सिलसिला ये चाहत का' गीत के दौरान दीपों की सजावट और ऐश्वर्या राय का पारंपरिक रूप दिवाली के दृश्यात्मक वैभव को नई ऊंचाई देते हैं। यहां रोशनी प्रेम और प्रतीक्षा के भाव को गहरा करती है। आशुतोष गोवारिकर की फिल्म 'स्वदेश' (2004) में रामलीला और रावण दहन के बाद बिजली चले जाने पर गांव के लोग पारंपरिक रोशनी का सहारा लेते हैं। यह प्रसंग सामूहिक प्रयास और आत्मनिर्भरता का संदेश देता है। हालांकि, रावण दहन दशहरे का प्रसंग है, दिवाली का नहीं। आमिर खान की फिल्म 'तारे जमीन पर' (2007) में परिवार से दूर आवासीय विद्यालय में रह रहा ईशान त्योहार के समय अपनों को याद करता है। यह प्रसंग बताता है कि दिवाली का आनंद सजावट और उपहारों से नहीं, बल्कि अपनेपन और भावनात्मक सहारे से मिलता है।दिवाली पर आधारित गीतों ने भी इस त्योहार को लोकप्रियता दिलाई। 1941 की 'खजांची' का 'दीवाली फिर आ गई सजनी', 1943 की 'किस्मत' का 'घर-घर में दिवाली है', 1959 की 'पैगाम' का 'कैसे दिवाली मनाएं हम लाला' और 1977 की 'शिरडी के साईं बाबा' का 'दीपावली मनाई सुहानी' उल्लेखनीय हैं। 2001 की 'आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया' का 'आई है दिवाली सुनो जी घरवाली' घरेलू उत्साह और त्योहार की मस्ती को सामने लाता है। दूसरी ओर, दिवाली फिल्म रिलीज के लिहाज से भी महत्वपूर्ण रही है। 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' 20 अक्टूबर 1995 को रिलीज हुई थी। इसके बाद दिल तो पागल है, कुछ कुछ होता है, मोहब्बतें, डॉन और 'ओम शांति ओम' जैसी फिल्मों ने भी दिवाली के आसपास दर्शकों का ध्यान खींचा।

मैं जानता हूं आप डरते हो राहुल ने पीएम मोदी को दी खुली बहस की चुनौती

बोले- विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली।कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने पीएम मोदी पर विदेशी मदद के सहारे सत्ता में बने रहने का आरोप लगाकर राजनीतिक विवाद तेज कर दिया। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और अब भी इसी मदद के सहारे इस पद पर बने हुए हैं। उन्होंने देश की आर्थिक व्यवस्था और विदेशी सोशल मीडिया को लेकर भी सवाल उठाए। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि वह किसी भी मंच पर और किसी भी समय उनसे चर्चा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री इसलिए बहस के लिए नहीं आएंगे, क्योंकि वह जानते हैं कि राहुल उनके बारे में क्या जानते हैं।राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री मोदी को सीधे निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा, %मोदी जी, इस देश से झूठ बोलना बंद कीजिए। आप विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और विदेशी मदद से ही प्रधानमंत्री बने हुए हैं। राहुल ने आगे आरोप लगाया कि देश की आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह विदेशियों के नियंत्रण और समर्थन में है। उन्होंने यह भी दावा किया कि विदेशी सोशल मीडिया पूरी तरह प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा है।

राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पुराने बयान से जुड़ी दो तस्वीरें भी साझा की हैं। पहली तस्वीर में प्रधानमंत्री के बयान का अंग्रेजी अंश दिखाया गया। इसमें कहा गया है कि कुछ ताकतें लगातार देश को बांटने की साजिश में लगी हैं। एक दशक से ज्यादा समय की निराशा और असंतोष के बाद ये ताकतें अब खुलकर सामने आ गई हैं। इस बयान में यह सवाल भी उठाया गया है कि विदेश में कौन किससे गुप्त रूप से मिल रहा है, भारत विरोधी ताकतों का समर्थन कौन कर रहा है और कौन भारत के दुश्मनों की भाषा बोल रहा है। आगे कहा गया है कि इन गतिविधियों के तरीकों को पहचानकर मिलकर उनका मुकाबला करना जरूरी है।उसी तस्वीर के अगले हिस्से में सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर चिंता जताई गई है। इसमें कहा गया है कि सोशल मीडिया को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है और अफवाहें फैलाई जा रही हैं। साथ ही भारत की छवि खराब करने की कोशिशों का भी जिक्र है। बयान में देश के लोगों से इन चुनौतियों का मिलकर सामना करने की अपील की गई है।



राहुल ने मुख्य रूप से कौन सी बातें उठाईं?

- प्रधानमंत्री को विदेशी मदद मिलने का आरोप।
- देश की आर्थिक व्यवस्था पर विदेशी नियंत्रण का दावा।
- विदेशी सोशल मीडिया के प्रधानमंत्री के समर्थन में होने की बात।
- इन मुद्दों पर प्रधानमंत्री को खुली बहस की चुनौती।

अराजकता से सत्ता हासिल करना चाहती है कांग्रेस: अमित शाह का हमला

» बीपीएस न्यूज

हैदराबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह लगातार चुनावी हार का सामना करने के बाद अराजकता के जरिये सत्ता हासिल करने और लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यहां अपनी लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा से पहले एक्स पर एक पोस्ट में यह बात कही। उन्होंने कहा, नागरिकों ने इन हमलों से अपने लोकतंत्र की रक्षा करने के लिए कमर कस ली है।

कहां से कहां तक निकलेगी पदयात्रा?

अमित शाह सोमवार शाम इस पदयात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं। यह पदयात्रा बशीरबाग स्थित बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा से शुरू हुई। यहां मोअज्जम जही मार्केट तक जाएगी। शाह सोमवार दोपहर को यहां बेगमपेट हवाई अड्डे पहुंचे। वह पदयात्रा में शामिल होने के लिए यहां आए हैं। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी और तेलंगाना भाजपा के अन्य नेताओं ने हवाई अड्डे पर शाह का गर्मजोशी से स्वागत किया।

पदयात्रा में अमित शाह ने क्या कहा?

पदयात्रा में जनता को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा, आज मैं हैदराबाद की इस पवित्र भूमि पर लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ रैली में आप सभी का स्वागत करता हूं। मैं सबसे पहले मां भाग्य लक्ष्मी के चरणों में प्रणाम करता हूं और सरदार पटेल साहब को भी मनपूर्वक नमन कर अपनी बात की शुरुआत करता हूं।

उन्होंने कहा, अगर सरदार उस वक्त निजाम को न झुकाते तो हैदराबाद आज भारत का हिस्सा न होता। वो सरदार साहब ही थे, जिन्होंने हैदराबाद के निजाम को झुकाकर हैदराबाद को भारत का हिस्सा बनाया। तेलंगाना को भारत का हिस्सा बनाया। मैं महान स्वतंत्रता सेनानी कोमराम भीम और रामजी गौड को भी मनपूर्वक प्रणाम करता हूं।

इंडिया ब्लॉक की रैली पर क्या कहा?



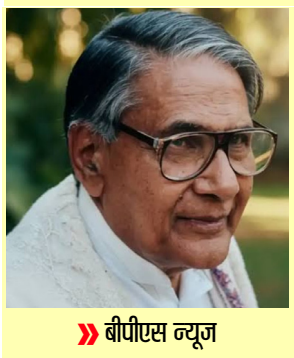
इंडिया ब्लॉक की रैली को लेकर शाह ने कहा, आज हैदराबाद में हजारों-हजारों की संख्या सड़क पर खड़ी है। कल दिल्ली में भी एक रैली हुई थी। राहुल जी की रैली हुई थी। इन्होंने कहा वोट बचाओ रैली है। ये वोट बचाओ रैली नहीं थी, घुसपैठिया बचाओ रैली थी। कांग्रेस पार्टी एसआईआर को रोककर देश की मतदाता सूची से बांग्लादेशी घुसपैठियों को बचाना चाहती है। मगर मैं आज कहने आया हूं राहुल जी, रेवंत रेड्डी जी जितना जोर लगाना है लगा लो..भारतीय जनता पार्टी एक-एक घुसपैठिए को मतदाता सूची और देश से बाहर निकालकर ही दम लेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की इन टिप्पणियों में रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई इंडिया ब्लॉक की रैली का जवाब दिए जाने की उम्मीद थी। इस रैली में गठबंधन ने भाजपा की आलोचना की थी। इंडिया ब्लॉक ने रविवार को कथित वोट चोरी के आरोपों को लेकर भाजपा को सत्ता से हटाने की मांग की थी।

वोट चोरी के आरोपों पर क्या कहा?

उन्होंने जनता से पूछते हुए कहा, क्या घुसपैठियों को देश से बाहर निकालना चाहिए या नहीं निकालना चाहिए? एसआईआर करना चाहिए या नहीं करना चाहिए? पूरी की पूरी कांग्रेस एंड कंपनी एसआईआर को रोकने पर लगी है, क्योंकि ये जो घुसपैठिए हैं, उनकी वोट बैंक हैं। मगर हम भाजपा के कार्यकर्ता मजबूती के साथ एसआईआर के साथ खड़े हैं।

वेद राही: गुल गुलशन गुलफाम के निर्देशक का हुआ निधन



» बीपीएस न्यूज

मुंबई। दिग्गज लेखक और फिल्ममेकर वेद राही का निधन हो गया है। उन्होंने रविवार सुबह महाराष्ट्र के ठाणे जिले में अपने आवास पर अंतिम सांस ली। वह 93 साल के थे। रविवार दोपहर ठाणे के कोपरी श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके परिवार में दो बेटियां गीतांजलि और पूनम हैं।

वेद राही डोगरी साहित्य का एक बड़ा नाम थे। उन्हें साल 1983 में अपने कहानी संग्रह आले के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके बाद साल 2024 में उन्हें साहित्य अकादमी फेलोशिप भी दी गई, जो अकादमी के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें कई अन्य पुरस्कार भी मिले। उनके निधन के बाद साहित्य अकादमी के आधिकारिक एक्स हैंडल से भी उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

साहित्य के अलावा वेद राही ने भारतीय सिनेमा और टेलीविजन में भी अपनी खास पहचान बनाई थी। उन्होंने 25 से ज्यादा फिल्मों के लिए लेखन किया। इनमें ये रात फिर न आएगी, आप आए बहार आई, बेईमान, मोम की गुड़िया और बेजुबान जैसी फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों के लिए उन्होंने स्क्रीनप्ले और डायलॉग लिखे थे।

लेखन के बाद वेद राही ने निर्देशन की दुनिया में भी कदम रखा। उन्होंने प्रेम पर्वत और काली घटा जैसी फिल्मों का निर्देशन किया। इसके अलावा साल 2001 में आई फिल्म वीर सावरकर का निर्देशन भी उन्होंने किया था। खास बात यह है कि प्रेम पर्वत और काली घटा जैसी उनकी कुछ फिल्में आज आसानी से उपलब्ध नहीं हैं।हालांकि, 1980 और 1990 के दशक के टीवी दर्शकों के बीच वेद राही को खास तौर पर दूरदर्शन के मशहूर सीरियल गुल गुलशन गुलफाम के लिए याद किया जाता है। इसके अलावा मीरा और रिश्ते जैसे शोज में भी उनका योगदान रहा। इन धारावाहिकों ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई और उनकी कहानियों को बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाया।

दलेर मेहंदी विवाद: मंत्री सुबोध उनियाल का बड़ा बयान, बोले- इस्तीफा दे दूंगा, माफी नहीं मांगूंगा

विरोध में उतरा था बॉलीवुड तो सीएम भी कर चुके बात



» बीपीएस न्यूज

देहरादून। दलेर मेहंदी विवाद को लेकर मंत्री सुबोध उनियाल बयान को लेकर एक बार फिर चर्चा में है। एक कार्यक्रम के दौरान मंत्री के बयान का वीडियो वायरल हो रहा है। उसमें उन्होंने मंच से कहा मैं इस्तीफा देना पसंद करूंगा, माफी नहीं मांगूंगा। जीवन में आत्मसम्मान बहुत बड़ी चीज है।

बता दें कि बीते दिनों मंत्री का बयान वायरल हुआ था। जिसमें उन्होंने कहा था कि मुझे लगा दलेर मेहंदी नशे में हैं। वो नशा किस चीज का है, ये मैं नहीं जानता। इतने बड़े कलाकार का मेडिकल नहीं करा सकता। बाद में मुझे बताया गया कि उनकी तबीयत खराब थी। यदि उनकी तबीयत ठीक नहीं थी तो कार्यक्रम में मौजूद लोगों को बता देते या कार्यक्रम में नहीं आना चाहिए था।

कार्यक्रम में आने के लिए 35 लाख रुपये लिए और होटल में ठहरने की अलग से व्यवस्था कराई गई। मेरा मकसद संगीत को बदनाम करना नहीं था लेकिन जब 45 मिनट तक परफॉर्मेंस नहीं कर पाए तो जनप्रतिनिधि होने के नाते मैंने उन्हें टोका। जबकि मेरी ऐसी भावना नहीं थी। कलाकार का सम्मान होना चाहिए लेकिन कलाकार को अपने सम्मान के प्रति ध्यान देना चाहिए।

बीते 18 अक्तूबर को टिहरी में आयोजित कुंजापुरी मेले की सांस्कृतिक संध्या में पंजाबी गायक दलेर मेहंदी अपनी प्रस्तुति दे रहे थे। इस दौरान उनकी आवाज लड़खड़ाने से नाराज कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने मंच पर आकर उन्हें टोक दिया। उन्होंने कहा कि आपको इसलिए बुलाया गया था, कि हमारे लोगों का इंटरटेनमेंट हो, यह गलत बात है, बड़े नाम की इज्जत रखनी चाहिए। आपसे ठीक से बोल भी नहीं जा रहा है, गाना क्या गाएंगे। इस पर मेहंदी ने कहा कि सर आपने मुझे इज्जत से बुलाया। आपसे रिक्वेस्ट है, कि आप पांडाल में बैठ जाएं हम अच्छी प्रस्तुति दे रहे हैं।

मंत्री के बयान को लेकर जब बॉलीवुड सिंगर मीका सिंह, कपिल शर्मा और अन्य लोगों ने विरोध किया तो मुख्यमंत्री धामी ने गायक मीका सिंह से फोन पर बातचीत कर दलेर मेहंदी से जुड़े विवाद के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की गलतफहमी या मतभेद को आपसी संवाद और सौहार्दपूर्ण वातावरण में दूर किया जाना चाहिए। इसके बाद उन्होंने दलेर मेहंदी से भी बात की थी।

धर्मतला मंच से नितिन नबीन ने कहा, ममता मुक्त बंगाल के बाद हम दिल्ली को भी राहुल मुक्त बनाएंगे

कोलकाता। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने सोमवार को धर्मतला में आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता दूर करो रैली में पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि बंगाल ममता-मुक्त हो चुका है और सत्ता खोने के बाद कथित तौर पर दिल्ली जाकर विरोध प्रदर्शन करने को लेकर बनर्जी का मजाक उड़ाया। नबीन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को निशाना बनाते हुए दिल्ली को राहुल-मुक्त बनाने की मांग भी की।पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने भी सभा को संबोधित किया और विपक्ष पर निशाना साधा। मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के बारे में बोलते हुए, उन्होंने संक्षिप्त नाम की अपनी राजनीतिक व्याख्या देते हुए कहा कि इसका अर्थ है घुसपैठियों को हटाना। उनकी यह टिप्पणी मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया को लेकर चल रही राजनीतिक बहस के बीच आई है।यह रैली भाजपा द्वारा लोकतंत्र बचाओ, अराजकता दूर करो के नारे के तहत आयोजित की गई थी। नवीन और अधिकारी दोनों ने इस मंच का उपयोग अपने राजनीतिक विरोधियों की आलोचना करने और एसआईआर अभ्यास पर पार्टी का रुख स्पष्ट करने के लिए किया। उनके बयानों ने राज्य में भाजपा के राजनीतिक अभियान की दिशा तय कर दी।

भाइयों ने ही ली भाई की जान ! प्रेम प्रसंग के शक में रची खौफनाक साजिश

घर से कुछ दूरी पर गड्ढे में दफनाया शव,सर्विलांस के सहारे आरोपियों तक पहुंची पुलिस

» बीपीएस न्यूज

संग्रामगढ़, प्रतापगढ़। थाना क्षेत्र के प्रतापपुर गांव में भाभी के साथ प्रेम प्रसंग की आशंका में दो सगे भाइयों ने अपने ही छोटे भाई की गला घोंटकर हत्या कर दी। साक्ष्य छुपाने के लिए आरोपियों ने शव को जेसीबी द्वारा खोदे गए एक गड्ढे में दफना दिया और पुलिस को गुमराह करने के लिए खुद ही गुमशुदगी की झूठी कहानी गढ़ दी। हालांकि, पुलिस की कड़ी पूछताछ में सनसनीखेज राजफाश हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के प्रतापपुर गांव में भाभी के साथ प्रेम प्रसंग की आशंका में दो सगे भाइयों ने अपने ही छोटे भाई की गला घोंटकर हत्या कर दी। साक्ष्य छुपाने के लिए आरोपियों ने शव को जेसीबी द्वारा खोदे गए एक गड्ढे में दफना दिया और पुलिस को गुमराह करने के लिए खुद ही गुमशुदगी की झूठी कहानी गढ़ दी। हालांकि, पुलिस की कड़ी पूछताछ में सनसनीखेज राजफाश हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के प्रतापपुर गांव निवासी 24 वर्षीय बृजेंद्र सिंह पुत्र स्व. जय सिंह पांच भाइयों और एक बहन में सबसे छोटे थे। अभी उनकी शादी नहीं हुई थी। वह कुछ महीने पहले राजस्थान में कमाने गए थे, लेकिन रक्षाबंधन पर घर लौटने के बाद वापस नहीं गए थे। परिजनों के अनुसार , 27 अक्टूबर की रात बृजेंद्र खेत की रखवाली के लिए घर से निकले थे, जिसके बाद वह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। काफी खोजबीन के बाद जब उनका कुछ पता नहीं चला, तो उनके बड़े भाई वीरेंद्र प्रताप सिंह की तहरीर पर 28 अक्टूबर को पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली। जांच-पड़ताल के दौरान पुलिस को गांव की नहर पुलिया के पास बृजेंद्र का मोबाइल फोन मिला। इसके बाद पुलिस ने 27 अक्टूबर की रात बृजेंद्र के साथ देखे गए गांव के ही एक युवक नीरज को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।पुलिस की सख्ती के आगे नीरज टूट गया और उसने जो सच बताया, उससे सभी के होश उड़ गए। नीरज ने बताया कि भाभी से प्रेम प्रसंग की आशंका के चलते वीरेंद्र और दिलीप ने उसके साथ मिलकर बृजेंद्र की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। पुलिस को चकमा देने के लिए उन्होंने झूठी कहानी भी गढ़ी थी। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने जेसीबी से खोदे गए गड्ढे से बृजेंद्र का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद से मृतक की मां रेनू देवी, बहन शिमला देवी समेत परिजन रो रो कर बेहाल हैं। वीरेंद्र सिंह,दिलीप सिंह,सुरेंद्र सिंह, मनोज सिंह और बहन शिमला से छोटे मृतक बृजेंद्र थे। पुलिस आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

युवक ने पुलिस के सामने खोले राज

युवक के गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। सर्विलांस की मदद से गांव के एक युवक नीरज (मृतक के दोस्त) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उसकी निशानदेही पर शव को बरामद कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पूछताछ के आधार पर प्रेम प्रसंग की आशंका में उसके भाइयों के साथ मिलकर उसकी हत्या की गई है। विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ की जा रही है। -दीपक भूकर, एसपी,प्रतापगढ़

माल में ढाई हजार के लिए मजदूर को ईंट से कूचकर मार डाला, दो गिरफ्तार

» गोपरामऊ बाग में वारदात को दिया था अंजाम, पुलिस ने खून से सनी ईंट और आरोपियों के कपड़े किए बरामद

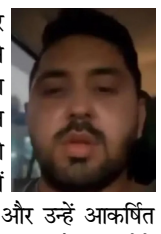
» बीपीएस न्यूज

माल/लखनऊ। राजधानी लखनऊ के माल के गोपरामऊ बाग में मजदूर नन्हके रावत की ईंट से कूचकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, महज 2500 रुपये के लेनदेन को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया था। उनकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल ईंट के टुकड़े और खून से सने कपड़े बरामद किए गए हैं।इंस्पेक्टर माल नवाब अहमद के मुताबिक, एक नवंबर को बीघापुर निवासी मीना रावत ने पति नन्हके रावत की हत्या किए जाने की तहरीर दी थी। इस पर चंद्रपाल रावत, रविंद्र विश्वकर्मा और कल्लू सिंह के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। जांच के दौरान सोमवार रात करीब 12:30 बजे पुलिस ने गोपरामऊ ट्यूबवेल के पास से चंद्रपाल रावत और रविंद्र विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में चंद्रपाल ने बताया कि नन्हके के भतीजे संतोष ने उससे 2500 रुपये उधार लिए थे। रुपये वापस नहीं करने पर नन्हके ने उसे संतोष के घर बुलाया था। वहां संतोष और उसकी पत्नी से कहासुनी हो गई थी। इस दौरान खुद को अपमानित महसूस करने पर चंद्रपाल ने नन्हके से रंजिश मान ली।पुलिस के मुताबिक, इसी खुन्नस में चंद्रपाल ने रविंद्र के साथ मिलकर गोपरामऊ बाग में नन्हके पर ईंट से हमला कर उसकी हत्या कर दी। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल खून से सनी ईंट के टुकड़े बरामद किए।

पाकिस्तानी टिकटॉकर की शादी में भगदड़, सात फेरे से पहले दो लोगों की मौत, 20 से ज्यादा घायल

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के शादी समारोह में भगदड़ मचने से दो लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। यह जानकारी सोमवार को एक अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि हादसा तब हुआ जब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर द्वारा घोषित नकद और अन्य इनाम पाने के लिए भीड़ ने विवाह समारोह में दाखिल होने की कोशिश की। यह घटना शनिवार शाम पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर से करीब 100 किलोमीटर दूर सियालकोट के फराज स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुई।पुलिस ने बताया कि टिकटॉक पर वीडियो बनाने वाले अंसर महमूद ने अपने सोशल मीडिया मंच का इस्तेमाल करके लोगों को मेहंदी समारोह में आमंत्रित किया और उन्हें आकर्षित करने के लिए तरह-तरह के इनाम देने की घोषणा की। महमूद सोशल मीडिया पर मिस्टर पतलो के नाम से लोकप्रिय हैं। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, महमूद और उनकी टीम ने मेहंदी समारोह में आने वाले लोगों को दो करोड़ पाकिस्तानी रुपये नकद, एक कार, 50 मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और अन्य उपहार देने की घोषणा की थी।



विधायक हुमायूं की खुली धमकी, बाबरी बनेगी, हिम्मत है तो रोक लो

आम जनता उन्नयन पार्टी (छुक्क) के नेता और नौदा (पश्चिम बंगाल) से विधायक हुमायूं कबीर ने एक बार फिर 6 दिसंबर को प्रस्तावित मस्जिद निर्माण स्थल पर बड़ा जलसा करने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अड़चनों और राजनीतिक विरोध के बावजूद वह इस कार्यक्रम को हर हाल में आयोजित करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि इस प्रोजेक्ट को लेकर उन्हें न केवल भारत, बल्कि कई मुस्लिम देशों से भी जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। 3 नवंबर को दिए अपने बयान में हुमायूं कबीर ने कहा कि यह सिर्फ उनके क्षेत्र का मामला नहीं है, बल्कि यह देश और दुनिया के मुसलमानों के लिए एक बेहद संवेदनशील और भावनात्मक मुद्दा है। उन्होंने कहा कि यह पूरे भारत के मुसलमानों के लिए और वैश्विक स्तर पर बांग्लादेश, ओमान, कतर, दुबई और सऊदी अरब जैसे देशों में रहने वाले मुसलमानों के लिए एक जज्बाती मुद्दा है। इन तमाम मुल्कों से लोगों ने मुझे बार-बार फोन करके हौसला दिया है। वे कहते हैं कि आप बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, आप इसे जारी रखिए, हम आपके साथ खड़े हैं। इसलिए, जब तक मेरी सांसें चल रही हैं, मैं अल्लाह के इस घर का निर्माण पूरा करूंगा, और उसके बाद ही, इंशाअल्लाह, इस दुनिया से रुखसत होऊंगा।कबीर ने दोहराया कि पिछले साल शुरू किए गए इस मस्जिद प्रोजेक्ट की नींव को 6 दिसंबर को एक साल पूरा हो जाएगा। उनका कहना है कि इस दिन वे बड़े पैमाने पर लोगों को इकट्ठा करेंगे और इस निर्माण कार्य को आगे बढ़ाएंगे। इससे पहले उनके बयानों और राष्ट्रीय राजमार्ग (ह्व॥-12) को जाम करने की चेतावनियों को लेकर प्रशासन व विपक्षी दलों ने कड़ा रुख अपनाया था, लेकिन विधायक अपने फैसले पर अडिग नजर आ रहे हैं। उन्होंने परियोजना की समय-सीमा बताते हुए कहा कि इसकी नींव 6 दिसंबर, 2025 को रखी गई थी। 6 दिसंबर, 2026 को होने वाला कार्यक्रम, नींव रखे जाने के बाद पहले साल के पूरा होने का प्रतीक होगा। कबीर ने कहा कि उस दिन हाँ 5 लाख लोग इकट्ठा होंगे, और मैं एक घोषणा करूँगा। सब कुछ तय हो चुका है और लोगों को यहाँ आने के लिए बार-बार याद दिलाया जाएगा। उन्होंने इस मौके को चल रहे काम के दूसरे साल के रूप में बताया। राज्य प्रशासन के साथ तनाव और कानून-व्यवस्था को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर कबीर ने कहा हाँ कानून-व्यवस्था की कोई समस्या नहीं होगी। इससे पहले, यहाँ ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार थी। उन्होंने काफी अड़चनें पैदा की थीं। उनका कहना था कि बाबरी मस्जिद बनाने से कानून-व्यवस्था की समस्या खड़ी हो जाएगी। कानून-व्यवस्था की कोई समस्या नहीं होनी चाहिए; इन सब बातों को पीछे छोड़ देना चाहिए। किसी और के नाम पर मस्जिद बनाई जाए, बाबरी मस्जिद नहीं होनी चाहिए, लेकिन मैं इस बात से सहमत नहीं था।

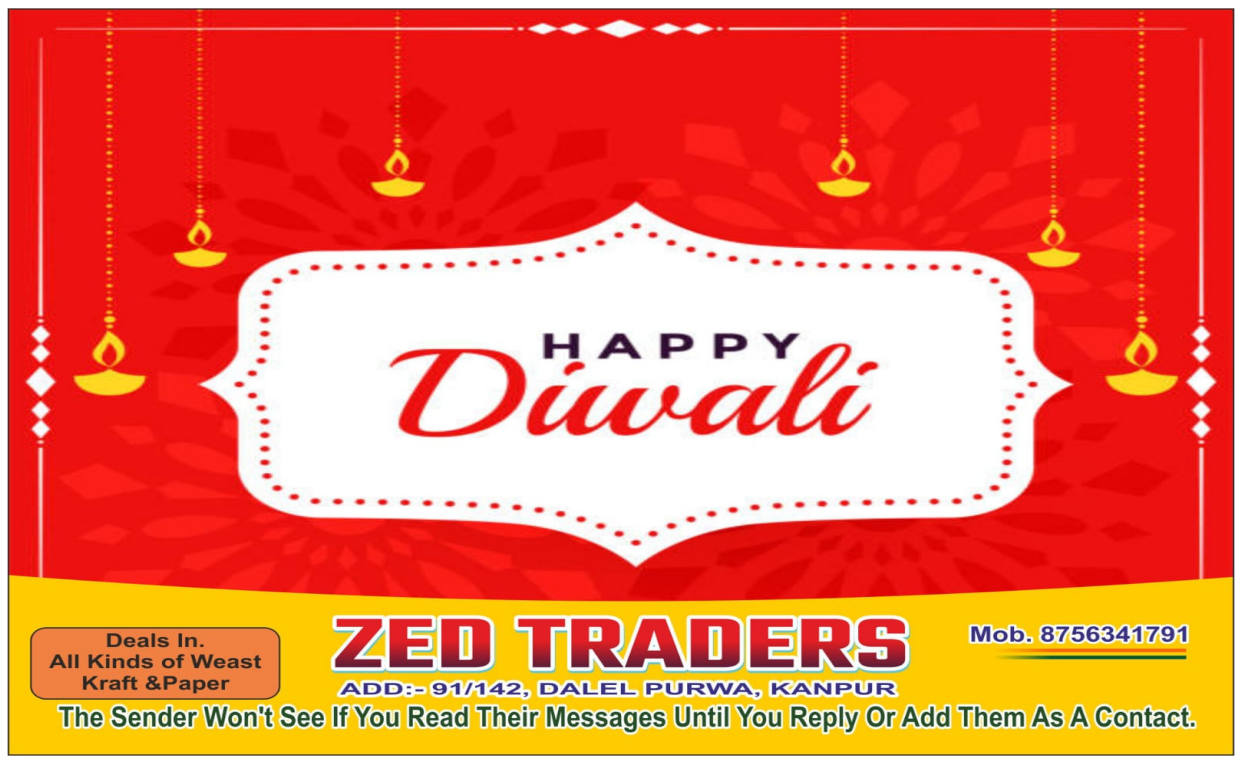
Mob:-9336249731 SADECAR BHAI
Mob:-8546075963 Mr.FAISAL

Happy Diwali

AYAAN TRADERS

Deals In.. All Kinds of Weast Kraft & Paper

Address:- Regd. Office:-98/179 Gora Kabristan Beconganj
Kanpur Nagar Pincode:-208001



सभी कानपुर नगर वासियों को दीपावली
एवं छठपूजा पर्व की हार्दिक शुभकामनायें।

Raddiwala Enviro Solution

Deals In All Kinds of Waste Kraft & All Papers

Sachin Verma 8318451194
Rakesh Kumar Verma-9838074489

Add:-107/41-B Jawahar Nagar, Kanpur Nagar



सभी कानपुर नगर वासियों को दीपावली व छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं

साँई पेपर कप
ग्लास मैन्यूफैक्चर

महेंद्र पटेल
प्रबंधक

माधुरी पटेल
डायरेक्टर

पेपर ग्लास – 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200,
210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें
9919772233 7985401046

पताः- प्लाट नं. 22 जरौली फेस-2 कानपुर नगर





मंधना पुलिस चौकी में खड़े वाहनों में लगी आग, मची अफरा तफरी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर नगर की मंडाना पुलिस चौकी में बुधवार की सुबह तड़के चौकी के अंदर खड़े वाहनों में अचानक आग लग गई, जिससे चौकीमें अफरा तफरी फैल गई ।ऐसा माना जा रहा है कि इलाके शरारती तत्वों ने इस आग की घटना को अंजाम दिया। भोर पहर शरारती तत्वों ने लगाई। शहरखोजें

आग लगने के बाद जहां चौकी में खड़े कई वाहन धूं धूं करके जलने लगे वहीं कई वाहनों के टायरों से तेज धमाके के साथ धुआं और गब्बर उठ जिसको देख तत्काल आग बुझाने के लिए अग्निशमन विभाग को सूचित किया गया। कई वाहनों के टायर तेज़ धमाके के साथ फटे, जिससे मंधना चौराहे पर अफरातफरी का माहौल बन गया।सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने 1 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया गया। आज की घटना से कई वाहन जलकर पूरी तरीके नष्ट हो गए पुलिस द्वारा आग लगने वाले शरारती तत्वों की तरह शुरू कर दी गई है।

स्कूल से लापता छात्र-छात्रा के शव पेड़ से लटके मिले, हत्या या आत्महत्या की गुत्थी उलझी लड़के के कपड़ों पर मिले खून के निशान

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, शव उतारने का किया विरोध-आत्महत्या है या कोई आपराधिक साजिश



» बीपीएस न्यूज

मैगलगंज-खीरी। मैगलगंज थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर औरंगाबाद-मूड़ा बसही मार्ग पर एक जामुन के पेड़ से नाबालिग छात्र-छात्रा के शव लटके मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। दोनों मंगलवार को स्कूल से छुट्टी होने के बाद घर नहीं पहुंचे थे। शव मिलने की सूचना पर परिजनों और ग्रामीणों की भारी भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच होने तक शव नीचे उतारने से विरोध किया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने बातचीत कर स्थिति संभालने का प्रयास किया।मृतकों की हुई पहचानमृतकों की पहचान आरुषि और सुधाकर के रूप में हुई है। दोनों एक ही गांव के निवासी और आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। दोनों औरंगाबाद स्थित जिला पंचायत इंटर कॉलेज में पढ़ते थे।मंगलवार को स्कूल से घर नहीं लौटे थे दोनोंपरिजनों के मुताबिक, मंगलवार को स्कूल की छुट्टी होने के बाद दोनों घर नहीं पहुंचे। काफी देर तक इंतजार करने के बाद परिजनों ने स्कूल से संपर्क किया और उनकी तलाश शुरू कर दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में दोनों के स्कूल में मौजूद होने और छुट्टी के बाद वहां से निकलने की पुष्टि हुई है।साइकिल और चप्पल भी मिलीबुधवार दोपहर परिजनों ने तलाश के दौरान स्कूल ड्रेस में दोनों के शव औरंगाबाद-मूड़ा बसही मार्ग पर एक जामुन के पेड़ से लटके देखे। घटनास्थल से कुछ दूरी पर एक साइकिल और चप्पल भी बरामद होने की बात सामने आई है। पुलिस ने मौके से मिले सामान को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।लड़के के कपड़ों पर खून के निशान मिलने से बढ़ा संदेह घटनास्थल पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने बारीकी से निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लड़के के कपड़ों पर खून के निशान मिलने की बात सामने आई है। पुलिस ने डॉग स्क्वायड की मदद से भी जांच कराई। इसके अलावा ड्रोन कैमरे से घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र की छानबीन की गई। इन परिस्थितियों के बाद मामला और रहस्यमय हो गया है। एडिशनल एसपी समेत कई थानों की पुलिस पहुंची दोनों के शव मिलने की सूचना पर एडिशनल एसपी अमित राय, सीओ मितौली यदुवेंद्र यादव और मैगलगंज थाना प्रभारी अखिलेश गंगवार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आक्रोशित परिजनों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। परिजन मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। हत्या या आत्महत्या, जांच के बाद खुलेगा राज पुलिस शुरुआती जांच में प्रेम प्रसंग समेत अन्य संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की पड़ताल कर रही है। हालांकि, अभी किसी भी आशंका की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सीओ यदुवेंद्र यादव के अनुसार, पुलिस सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि दोनों नाबालिगों की मौत के पीछे आत्महत्या है या कोई आपराधिक साजिश? इसका जवाब पुलिस जांच के बाद ही सामने आएगा।

खीरी विकास समिति के संघर्ष से आंगनवाड़ी केंद्र खुलने का रास्ता हुआ आसान



» बीपीएस न्यूज

लखीमपुर खीरी। खीरी विकास समिति का संघर्ष रंग ला रहा है। अब खीरी में आंगनबाड़ी केंद्र खुलने का रास्ता साफ होता दिखाई दे रहा है। शासन ने एक बार फिर जिला मुख्यालय से नगर पंचायत खीरी की डिमांड मांगी है। पता चले कि जिला मुख्यालय से मात्र 4 किलोमीटर की दूरी पर स्थित कस्बा खीरी आजादी के बाद से अभी तक भारत सरकार द्वारा संचालित अति महत्वपूर्ण विभाग %महिला कल्याण एवं बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार% द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों से वंचित हैं। जबकि कस्बा खीरी में अधिकांश लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हैं और यहां के अधिकांश नवजात शिशु और गर्भवती महिलाएं बेहतर इलाज और कुपोषण का शिकार होकर मौत का शिकार हो जाते है। इस संबंध में समाजसेवी संस्था खीरी विकास समिति वर्ष 2015, 2016, 2018, 2023 और जनवरी 2026 में अब तक लगभग एक दर्जन पत्र कार्यालय बाल विकास विभाग लखीमपुर से लेकर जिलाधिकारी व प्रदेश एवं केंद्र सरकार में संबंधित को प्रेषित कर चुकी है। पूर्व में 2016 में केंद्रीय सचिवालय और प्रदेश विभाग कार्यालय द्वारा कस्बा क्षेत्र में आंगनबाड़ी सेंटरो के स्थापना की डिमांड मांगी जा चुकी है, परंतु अभी तक इस मामले में कोई ठोस कदम नही उठाए गए है, जिस से अभी तक खीरी टाउन में एक भी आंगनबाड़ी केंद्र स्थापित नहीं किया गया है। इस आशय का एक पत्र पुनः खीरी विकास समिति द्वारा एक माह पहले दिया गया था, इस संबंध में आज फिर खीरी विकास समित के अध्यक्ष आमिर रज़ा ने जिला कार्यक्रम अधिकारी भारत प्रसाद से मुलाकात की और आंगनबाड़ी केंद्र स्थापित किए जाने के लिए पत्राचार की बात कही, तो उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा पूर्व में डिमांड के आधार पर खीरी नगर पंचायत को %आकांक्षा योजना% में शामिल किया गया है और जिला स्तर से आंगनबाड़ी केंद्रों की डिमांड की सूचना मांगी गई है। जिसे विभाग द्वारा भेजी जा रही हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि जल्दी ही खीरी कस्बे में आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना की जाएगी।

खीरी विकास समिति के अध्यक्ष आमिर रज़ा ने बताया कि उम्मीद है कि जल्द ही खीरी विकास समिति का संघर्ष रंग लाएगा और खीरी टाउन में केंद्रों की स्थापना होगी, जिससे यहां के नवजात शिशु और धात्री महिलाएं लाभान्वित हो सकेंगे।उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केदो की स्थापना के साथ ही खीरी के लगभग डेढ़ सौ लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

मेला की तैयारी में जुटे ग्रामीण



» बीपीएस न्यूज

गुरवलिया बाजार कुशीनगर। जिलें के तमकुहीराज विकास खण्ड के गांव सेमरा हर्दो पट्टी में दीपावली के अवसर पर लगने वाले चार दिवसीय मेला की तैयारियां शुरू हो गई है। गौरतलब है कि आज़ादी के समय से लगने वाले इस ऐतिहासिक मेला का इतिहास करीब 80 वर्ष पुराना हैं। पिछले महीने आएं अर्नब तूफान के चलते मेला के स्थान पर पानी लग गया था। लेकिन ग्रामीणों ने पंपिंग सेट की मदद से पानी खींचकर बाहर निकाल दिया। और क्रिकेट पिच बनाने का कार्य शुरू कर दिया हैं। बताते चलें कि पहले इस मेला में बैल हाटा लगता था। लेकिन वर्ष 1993 से बैल हाटा के जगह पर क्रिकेट मैच का आयोजन किया जाने लगा। मेला में क्रिकेट के अलावा कुश्ती, फुटबॉल और दौड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाता हैं। गुरवलिया गांव निवासी वरिष्ठ पहलवान ब्रह्मदेव यादव ने बताया कि मेला के शुरुआत से ही कुश्ती (दंगल) का आयोजन किया जाता है

जो आज भी अनवरत जारी हैं। इतना ही नहीं वर्ष 2018 से मेले में दौड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाने लगा। मेला समिति के अध्यक्ष ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अंगद रजक ने मेले के बारे में बताया कि मेरे गांव के लोगों के साथ करीब दर्जन भर से अधिक गांवों के लोगों का पूरे साल भर तक इस मेला का इंतजार रहता हैं। वहीं मेला के संरक्षक पप्पू सिंह ने बताया कि प्रदेश में रहने वाले लोंग पूरे सालभर तक भले ही अपने गांव न आएं, लेकिन दीपावली के अवसर पर लगने वाले चार दिवसीय मेला के समय अपने गांव जरूर आते हैं। वहीं शिक्षक दुर्गेश सिंह ने बताया कि पूरे चार दिनों तक लगने वाले इस मेला की समाप्ती क्रिकेट, फुटबॉल, मैच वह दौड़ प्रतियोगिता के फाइनल के साथ छठ पूजा के सामग्री के खरीदारी के साथ होती हैं।

मेला समिति कोषाध्यक्ष अनिल सिंह ने बताया कि दीपावली के दिन भव्य शोभायात्रा निकालने के बाद मेला की शुरुआत हो जाएगी।

इस दौरान मेला समिति से जुड़े क्रिकेट और फुटबॉल के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, अमित सिंह, आरपी सिंह, अजय सिंह, टोनी सिंह, विधायक सिंह, अन्नु सिंह, कुंवर प्रिंस प्रताप सिंह, कार्तिक सिंह, राहुल राणा, आदर्श सिंह आदि मौजूद रहें।

किसान नेता के पिता की तेरहवीं में पहुंचे हाजी इमरान अहमद, अर्पित की श्रद्धांजलि



» बीपीएस न्यूज

बरवर (खीरी)। समाजवादी पार्टी के 144-मोहम्मदी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी हाजी इमरान अहमद ने ग्राम रायपुर (मुड़ागालिब) पहुंचकर भारतीय किसान यूनियन यूथ विंग के जिलाध्यक्ष शिवेंद्र प्रताप सिंह यादव के पिता की तेरहवीं में शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके उपरांत हाजी इमरान अहमद ने मुड़ागालिब, पड़सर, उमरपुर, मूड़ीनिजाम सहित आसपास के कई गांवों का भ्रमण किया।

इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और क्षेत्र के लोगों से संवाद स्थापित किया।

इस दौरे के दौरान उनके साथ तशरीफ खान, तौफीक खान, असलम खान, अफ्फान, नागम खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मिशन शक्ति फेज-6 के तहद स्कूल में छात्र छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया



» बीपीएस न्यूज

पुलिस अधीक्षक फतेहगढ़ के निर्देशन में यातायात पुलिस फतेहगढ़ द्वारा यातायात जागरूकता माह नवम्बर-2026 एवं मिशन शक्ति फेज-6 अभियान के अंतर्गत कोतवाली फर्रुखाबाद क्षेत्रांतर्गत मादरस प्राइड इंटरनेशनल स्कूल में छात्र छात्राओं को यातायात नियमों, एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ ही मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान बच्चों ने यातायात पुलिस के विभिन्न उपकरणों को उत्सुकतापूर्वक देखा तथा यातायात पुलिसकर्मियों द्वारा उन्हें उपकरणों की कार्यप्रणाली एवं उपयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही महिला हेल्पलाइन नंबर 112, 1090, 181 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 के बारे में जागरूक किया गया

मोटर साइकिल की जोरदार टक्कर से मासूम की टांग टूटी



» बीपीएस न्यूज

शमसाबाद। छेत्र अंतर्गत ग्राम अमलेय्या आशा नन्द ग्राम के ही किसी व्यक्ति ने मोटर साइकिल से शिवांगी पुत्री अजय नट की लगभग उम्र 13 वर्ष को जोर दार टक्कर मार दी जिससे उसकी टांग की हड्डी टूट गई परिजनों ने पुलिस को सूचना दी तत्काल मौके पर पुलिस पहुंची जहां जांच पड़ताल की पुलिस द्वारा जांच की गई मौजूद लोगों द्वारा वीडियो घटना का वायरल किया गया अभी व्यक्ति का मौके पर कोई पुलिस द्वारा पुष्टि नहीं हो पाई है

फतेहगढ़ पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले फर्रुखाबाद गिरोह के तीन आरोपी किए गिरफ्तार

10 एटीएम कार्ड, 5 पासबुक, 3 मोबाइल और 14 हजार रुपये नकद बरामद, गिरफ्तार किये गये व्यक्तियों पर 14 साइबर शिकायतें दर्ज



» बीपीएस न्यूज

फतेहगढ़। जिले की साइबर क्राइम पुलिस ने साइबर ठगी के एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 एटीएम कार्ड, पांच विभिन्न बैंकों की पासबुक, तीन अदद मोबाइल फोन, दो बैंक एओएफ फॉर्म, मोबाइल स्क्रीनशॉट, विभिन्न क्यूआर कोड और 14 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी फर्जी बैंक खातों के माध्यम से लोगों से साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रितिक कश्यप पुत्र राज कश्यप निवासी भोपत पट्टी श्यामनगर, थाना कादरीगेट लखन सिंह पुत्र रमेश सिंह निवासी ग्राम गुडेरा, थाना अमृतपुर तथा शिवम सिंह पुत्र महेंद्र पाल सिंह निवासी ग्राम गुडेरा, थाना अमृतपुर के रूप में हुई है तीनों की उम्र लगभग 24, 26 और 28 वर्ष बताई गई हैपुलिस के अनुसार, आरोपी भोले-भाले लोगों को लालच देकर उनके बैंक खाते, एटीएम कार्ड और क्यूआर कोड हासिल कर लेते थे। इसके बाद जस्ट डायल एप के माध्यम से ट्रांसपोर्ट सुविधा उपलब्ध कराने के नाम पर ग्राहकों से संपर्क करते थे। ग्राहकों को फर्जी बैंक खातों में रुपये भेजने के लिए कहा जाता था। इन खातों से जुड़े एटीएम कार्ड आरोपियों के पास रहते थे, जिनके जरिए वे खातों में आने वाली रकम निकाल लेते थे।तीन स्थानों से हुई गिरफ्तारीपुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर हथियापुर मार्केट और श्रीजी उद्योग भट्टा, थाना राजेपुर क्षेत्र से तीनों आरोपियों को 4 नवंबर 2026 को 2ः15 बजे गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान पुलिस को बड़ी संख्या में एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक विभिन्न क्रूकोड व 14000/- अन्य संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुए।पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के खिलाफ विभिन्न राज्यों और जनपदों में कुल 14 एनसीआरपी साइबर शिकायतें दर्ज हैं। वहीं, लखन सिंह

और शिवम सिंह का पूर्व आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। इस मामले में थाना साइबर क्राइम, फतेहगढ़ में मु0अ0सं0 16/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 317(2) और आईटी एक्ट की धारा 66ष्ठ में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है

पुलिस टीम की भूमिका सराहनीयइस कार्रवाई में साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार,

उपनिरीक्षक सुबोध यादव सहित मुख्य आरक्षी रविंद्र प्रताप सिंह, आरक्षी अंकित आर्य, रामपति, गौरीशंकर और अनुराग लांबा शामिल रहे।

उप राष्ट्रपति करेंगे रामलला का राजतिलक, त्रेतायुग की झलक दिखाएगा दीपोत्सव



» बीपीएस न्यूज

अयोध्या। रामनगरी में सात नवंबर को आयोजित दीपोत्सव इस बार त्रेतायुगीन परंपरा और भव्यता का नया इतिहास रचेगा। उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन महर्षि वशिष्ठ की भूमिका में भगवान श्रीराम और माता सीता का राजतिलक करेंगे। अब तक यह परंपरा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निभाते रहे हैं। पुष्पक विमान के प्रतीक हेलीकॉप्टर से श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के स्वरूपों को लाने की तैयारी है।दीपोत्सव का प्रमुख आकर्षण सरयू तट पर होने वाली महाआरती होगी। उप राष्ट्रपति 5100 बातियों से आरती करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल

» महर्षि वशिष्ठ की भूमिका में सी.पी. राधाकृष्णन करेंगे श्रीराम का राजतिलक, 5100 बातियों से होगी सरयू की महाआरती

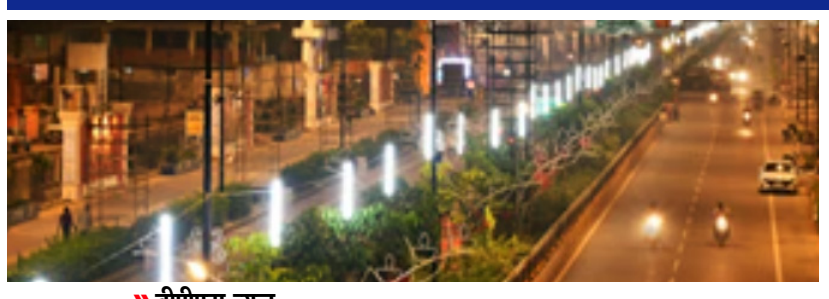
आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहेंगी। 30 गुणे 20 वर्गफीट का मंच तैयार किया जा रहा है। इस दौरान 2147 अर्चक और बटुक महाआरती में शामिल होंगे।चौराहों पर होगा सीधा प्रसारणराम की पैड़ी से लेकर शहर के प्रमुख चौराहों, मार्गों, घाटों और मंदिरों तक विद्युत सजावट की जा रही है। एक पार्क में भव्य रामदरबार आकार ले रहा है। विशिष्ट अतिथियों और संत-धर्माचार्यों के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। दीपोत्सव का सीधा प्रसारण दिखाने के लिए अयोध्या और अयोध्या कैंट के प्रमुख चौराहों पर एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी।

रामपथ, हनुमानगढ़ी, कारसेवकपुरम, चौक बाजार, सिविल लाइन,

देवकाली और नाका सहित कई स्थानों पर स्क्रीन स्थापित होंगी। सरयू की लहरों पर दीपों की छटा और आसमान में आतिशबाजी रामनगरी की भव्यता को चार चांद लगाएगी।

70 हजार दीयों से उकेरी जाएगी चौक पूर्णा की भव्य आकृति- 56 घाटों में दीये बिछाने का काम शुरू

35 हजार से अधिक स्वयंसेवकों को सौंपी जाएगी जिम्मेदारी



» बीपीएस न्यूज

अयोध्या। दीपोत्सव में इस बार दीपों के जरिए प्रदेश की पारंपरिक लोककला को भव्य स्वरूप दिया जाएगा। 70 हजार से अधिक दीयों से 78 गुणा 78 फीट क्षेत्र में चौक पूर्णा की विशाल आकृति तैयार की जाएगी। इसमें कमल पुष्प, कलश, स्वास्तिक सहित कई पारंपरिक शुभ चिह्न उकेरे जाएंगे।अवध विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग की छात्राएं विभागाध्यक्ष डॉ. सरिता द्विवेदी के निर्देशन में इस कलाकृति को तैयार करेंगी। इसके लिए मिट्टी के दीयों को विशेष डिजाइन के अनुसार सजाया जाएगा। घरों के आंगन में शुभ अवसरों पर बनाई जाने वाली चौक पूर्णा को पहली बार पिछले वर्ष दीपोत्सव में शामिल किया गया था। वर्ष 2025 में करीब 80 हजार दीयों से इसकी विशाल आकृति बनाई गई थी। दीपोत्सव के लिए सरयू के 56 घाटों पर बुधवार से दीये बिछाने का काम शुरू हो गया। इसके लिए 35 हजार से अधिक स्वयंसेवकों को मंगलवार को पास, टोपी और टी-शर्ट उपलब्ध करा दिए गए हैं। पहले दिन सभी

स्वयंसेवकों को एक साथ नहीं बुलाया गया है। अलग-अलग चरणों में उन्हें जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। स्वयंसेवक निर्धारित स्थानों पर तय क्रम के अनुसार दीये सजाएंगे। घाटों पर दीयों की आपूर्ति लगभग पूरी हो चुकी है।

डेंगू प्रभावित पाली गांव पहुंची स्वास्थ्य टीम, शिविर में 69 बुखार पीड़ितों की जांच

मेस्टन रोड, बिरहाना रोड और चटाई मोहाल में भी लार्वानाशक छिड़काव, जांच में मलेरिया का कोई मरीज नहीं मिला



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिले में डेंगू के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने निरोधात्मक और नियंत्रणात्मक गतिविधियां तेज कर दी हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरसौल के तहत आने वाले ग्राम पाली में डेंगू के मामले सामने आने के बाद जिला स्तरीय टीम ने गांव का स्थलीय निरीक्षण किया। गांव में लगाए गए विशेष स्वास्थ्य शिविर में 69 मरीजों का परीक्षण कर डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड की जांच की गई, जिसमें राहत की बात यह रही कि मलेरिया का कोई भी मरीज धनात्मक नहीं मिला।

पाली गांव में स्वास्थ्य टीम का स्थलीय दौरा

वेक्टर बॉर्न डिजीज के नोडल अधिकारी राजेश्वर सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह और मलेरिया निरीक्षक आयुषी द्विवेदी ने पाली गांव का दौरा कर वाहक जनित रोगों की रोकथाम की स्थिति परखी। निरीक्षण के दौरान संचारी रोग नियंत्रण अभियान में जुटी टीमें लार्वारोधी रसायनों का छिड़काव और सोर्स रिडक्शन करती पाई गईं।

स्वास्थ्य शिविर में 69 मरीजों की जांच

गांव में बुखार पीड़ितों के लिए तत्काल स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पहुंचे सभी 69 मरीजों का परीक्षण कर उनका ब्लड सैंपल लिया गया। इन सभी की डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड की जांच कराई गई। शिविर में जांच के बाद मरीजों को जरूरी दवाएं और स्वास्थ्य परामर्श दिया गया।

प्रभावित क्षेत्रों में बुखार सर्वेक्षण, सोर्स रिडक्शन और लार्वानाशक दवाओं का छिड़काव लगातार जारी है।

शहरी इलाकों में भी निरोधात्मक अभियान

पाली गांव के अलावा शहर के मेस्टन रोड, बिरहाना रोड, चटाई मोहाल और कर्मचारी नगर जैसे घनी आबादी वाले इलाकों में भी डेंगू के मरीज मिलने पर कार्रवाई की गई। इन क्षेत्रों में एंटोमोलॉजिकल सर्वेक्षण कराया गया और जहां भी पानी जमा मिला, वहां लार्वानाशक दवाओं का छिड़काव कराया गया।

लार्वा विनिष्टीकरण और फॉगिंग

स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम की संयुक्त टीमों ने मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने का अभियान चलाया। नालियों, खाली पड़े प्लाटों, छतों पर रखे कबाड़ और जलभराव वाले स्थानों पर सघन लार्वानाशक छिड़काव किया गया ताकि मच्छर जनित संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके।

बचाव और सावधानी बरतने की अपील

क्षेत्रीय नागरिकों को जागरूक करते हुए स्वास्थ्य कर्मियों ने घरों के आसपास सफाई बनाए रखने पर जोर दिया। लोगों से कहा गया कि वे कूलर, पुराने टायर और गमलों में पानी न रुकने दें। साथ ही मच्छरों के डंक से बचने के लिए पूरी बांह के कपड़े पहनने और मच्छररोधी क्रीम का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई।

कंट्रोल रूम से मांगी जा रही मदद

विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी क्षेत्र में जलभराव या बुखार के मरीज अधिक संख्या में हों, तो वे तत्काल स्वास्थ्य विभाग या नगर निगम के कंट्रोल रूम पर सूचना दें। सूचना मिलते ही प्रभावित इलाके में टीम भेजकर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जरूरत पड़ने पर इन नंबरों पर दें सूचना

यूएचएम चिकित्सालय (परेड) कंट्रोल रूमः 0512-2333810, 9335301096

नगर निगम कंट्रोल रूमः 0512-2526004, 0512-2526005

यूपी बोर्ड परीक्षा 2027 के लिए 116 केंद्र प्रस्तावित

» आपत्तियों का होगा स्थलीय सत्यापन

» 10 नवंबर को होगी आपत्तियों के निस्तारण की बैठक, संबंधित विद्यालय प्रबंधकों को उपस्थित होने के निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2027 के लिए जनपद में 116 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं। इन केंद्रों के निर्धारण को लेकर प्राप्त आपत्तियों एवं प्रत्यावेदनों का स्थलीय सत्यापन कराया जाएगा। जिलाधिकारी श्री महेंद्र सिंह तंवर ने संबंधित उप जिलाधिकारियों एवं अपर नगर मजिस्ट्रेटों को निरीक्षण आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गुरुवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जनपदीय परीक्षा केंद्र निर्धारण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक ने अवगत कराया कि माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तावित 116 परीक्षा केंद्रों के संबंध में विद्यालयों के प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों से 28 अक्टूबर तक आपत्तियां आमंत्रित की गई थीं।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि नए परीक्षा केंद्र बनाए जाने तथा संसाधनों की कमी के आधार पर प्रस्तावित केंद्रों को निरस्त किए जाने से संबंधित आपत्तियों का स्थलीय निरीक्षण किया जाए।बैठक में निर्णय लिया गया कि परीक्षा केंद्रों के निर्धारण से संबंधित प्रत्यावेदनों के निस्तारण के लिए 10 नवंबर को पुनः बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें नए परीक्षा केंद्र बनाए जाने अथवा प्रस्तावित केंद्र निरस्त किए जाने के संबंध में प्रत्यावेदन देने वाले विद्यालय प्रबंधकों को उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण शासनादेश के प्रावधानों के अनुरूप जनपदीय समिति द्वारा किया जाएगा।

















मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 52 जोड़ों का विवाह संपन्न

क्षत्रिय पैलेस में विधि-विधान और रीति-रिवाज के साथ संपन्न हुआ सामूहिक विवाह समारोह

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत क्षत्रिय पैलेस, हमीरपुर रोड, कठेरुआ, बिधनू में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले जरूरतमंद, निराश्रित एवं निर्धन परिवारों की विवाह योग्य कन्याओं के साथ-साथ विधवा, परित्यक्ता एवं तलाकशुदा महिलाओं का विवाह सामाजिक एवं धार्मिक मान्यताओं तथा पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न कराया गया। योजनाएंखोजें

कार्यक्रम में विकासखंड बिधनू के कुल 52 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। इनमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के 43, अन्य पिछड़ा वर्ग के सात, सामान्य वर्ग का एक तथा अल्पसंख्यक वर्ग का एक जोड़ा शामिल रहा।इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख अरुण कुमार कोरी, जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेन्द्र कुमार गौतम तथा खंड विकास अधिकारी बिधनू आशीष मिश्र सहित कार्यक्रम के सह-नोडल अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।



योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित जोड़े पर कुल एक लाख रुपये व्यय किए जाने का प्रावधान है। इसमें कन्या के दाम्पत्य जीवन एवं गृहस्थी की स्थापना के लिए 64 हजार रुपये की सहायता राशि ऑनलाइन कन्या के बैंक खाते में हस्तांतरित की जाती है। इसके अतिरिक्त 21 हजार रुपये की उपहार सामग्री प्रदान की जाती है तथा कार्यक्रम के आयोजन, भोजन, पंडाल, फर्नीचर, पेयजल, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर प्रति जोड़ा 15 हजार रुपये व्यय किए जाते हैं।

वैवाहिक जोड़ों एवं उनके परिजनों के स्वागत के लिए मुख्य द्वार पर शहनाई वादन की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही स्थानीय कलाकारों द्वारा राधा-कृष्ण की रासलीला पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। पूरे आयोजन के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारु रहीं तथा कार्यक्रम स्थल पर किसी प्रकार की शिकायत प्राप्त नहीं हुई।



शातिर वाहन चोर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। दक्षिण ज़ोन में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के क्रम में थाना बर्रा पुलिस द्वारा एक शातिर वाहन चोर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त धीरज निवासी गोविन्द नगर, कानपुर नगर के कब्जे से चोरी की 03 मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं, जिनमें एक थाना बर्रा क्षेत्र, एक घाटमपुर क्षेत्र तथा एक कानपुर देहात से चोरी की गई थी। अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में भी वाहन चोरी के लगभग 05 मुकदमे दर्ज हैं।

बरामदगी के आधार पर मुकदमे में सुसंगत धाराओं की वृद्धि करते हुए अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया है। अभियुक्त के गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश एवं शेष चोरी के वाहनों की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

सीएसए से बर्रा-8 व आइआइटी से नौबस्ता तक मेंट्रो जल्द, लोगों को मिलेगी राहत

» शहर से इस लम्बी दूरी के लिए मेट्रो चलने से जनता की राह होगी आसान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर में पहले से ही कुछ स्थानों के लिए मेट्रो का संचालन किया जा रहा है और अब समय बीतने के साथ लोगों को भी मेट्रो से यात्रा पंसद आने लगी है।

इसी सार्थकत प्रयास के बाद कानपुर में अन्य मुख्य रूटों पर भी मेट्रों के लिए कारीडोर बनाये जा रहे है और जल्द ही सीएसऐ कम्पनी बाग से बर्रा-8 तथा आइआइटी से नौबस्ता के लिए उपलब्ध हो जायेगी। बताते चले की पहले मेट्रो कारिडोर-1 के लिए निर्धारित सभी दस ट्रेने आ चुकी थी और अब इसके उपरान्त कारिडोर- दो के लिए भी दस ट्रेने सीएसए परिसर स्थित कारिडोर-2 में आ चुकी है। कानपुर मेट्रो के जनसंपर्क

कॉरिडोर-2 में हाईवे और सर्विस लेन के ऊपर बनेगा धनुषाकार गर्डर, पुश-पुल तकनीक से स्थापित होगी विशाल संरचना



अधिकारी पंचानन मिश्रा ने बताया कि कारिडोर-2 के लिए भी सभी ट्रेने आ चुकी है और आम जनमानस को जल्द ही इसका लाभ मिलना शुरू हो जायेगा। विजय नगर व शास्त्री चौक मेट्रो स्टेशन निर्माण कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। कार्य पूरा होने के साथ ही दक्षिण छेत्र को पूरी तरह मेट्रो से जोड़ दिया जायेगा, जिससे दक्षिण के लोगों को उत्तर की ओर सफर करना आसान और सुविधाजनक होगा साथ ही शहर में जाम में फंस कर समय बर्बाद होने से भी बचेगा।

उन्होने कहा कि शहर में प्रतिदिन लगने वाले जाम के कारण दैनिक आवागमन करने वालों को परेशानी होती है। इस रूट पर मेट्रो शुरू होने के बाद दक्षिण से शहर तक पहुचने में होने वाली परेशानी समाप्त हो जायेगी।



कानपुर बजरिया में ऑटो पार्ट्स की दुकान में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बजरिया थाना क्षेत्र में देर रात करीब 1 बजे ऑटो पार्ट्स की दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। बताया जाता है कि देखते ही देखते आग ने पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया।दुकान में रखा ऑटो पार्ट्स का सामान जलकर पूरी तरह राख हो गया।घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।आग से लाखों रुपये के नुकसान की आशंका है, फिलहाल नुकसान का आकलन किया जा रहा है।राहत की बात यह है कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

सुविधाएं नहीं, सूचनाएं नहीं, आखिर जवाबदेही किसकी?

अधिवक्ताओं के अधिकारों के लिए अब लोकतांत्रिक तरीके से निर्णायक पहल होगी: जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान

13 वर्षों से चैंबर का अभाव, प्रार्थनापत्र वापस किए जाने पर रोष, न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं और वादकारियों के लिए भी बैठने की व्यवस्था नहीं



» बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। जिला बार एसोसिएशन, कानपुर देहात की बैठक में अधिवक्ताओं के अधिकारों, न्यायालय परिसर में मूलभूत सुविधाओं के अभाव तथा वादकारियों की समस्याओं को लेकर गहरा रोष व्यक्त किया गया। चैंबर निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने तथा उच्च न्यायालय से आवश्यक पत्राचार करने के अनुरोध पर जिला जज को दिए गए प्रार्थनापत्र को बिना अपेक्षित कार्यवाही वापस किए जाने पर नाराजगी जताई गई। संबंधित विषयों पर मांगी गई जनसूचनाएं उपलब्ध न कराए जाने पर भी सवाल उठाए गए।अध्यक्ष जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि 19 जुलाई 2013 को नवीन न्यायालय भवन के उद्घाटन के बाद से आज तक अधिवक्ताओं के लिए चैंबरों की समुचित व्यवस्था नहीं हो सकी है। न्यायालय कक्षों में अधिवक्ताओं के बैठने तथा न्यायालय कक्षों के बाहर वादकारियों के बैठने की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था का अभिन्न अंग हैं, लेकिन उन्हें अपने कार्यस्थल और बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। न्याय दिलाने वाले अधिवक्ताओं को स्वयं अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़े, यह व्यवस्था की गंभीर विडंबना है। मांगों की अनदेखी अब स्वीकार नहीं होगी।पूर्व अध्यक्ष संपतलाल यादव ने कहा कि यह केवल अधिवक्ताओं की नहीं, बल्कि न्यायालय आने वाले प्रत्येक वादकारी से जुड़ी समस्या है। वर्षों से लंबित मांगों पर ठोस और समयबद्ध कार्यवाही होनी चाहिए। इसके लिए अधिवक्ताओं की एकजुटता के साथ शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आगे की रणनीति तय करना आवश्यक है।

बैठक में निर्णय लिया गया कि चैंबर निर्माण हेतु भूमि, अधिवक्ताओं एवं वादकारियों के बैठने की समुचित व्यवस्था और लंबित जनसूचनाओं के संबंध में सक्षम स्तर पर प्रभावी पहल की जाएगी। मांगों की अनदेखी जारी रहने पर जिला बार एसोसिएशन चरणबद्ध लोकतांत्रिक एवं विधिसम्मत आंदोलन करेगी।

बैठक में प्रमुख रूप से संपतलाल यादव, वैभवकांत दीक्षित, सद्दाम सुरजीत सिंह राजा चन्द्रलता एवं महेन्द्र सिंह संदीप सिंह चौहान मनमोहन सिंह हरदीप सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज में बर्न आईसीयू और PICU शुरू अब दूसरे जनपदों के चक्कर लगाने से मिलेगी राहत

झुलसे मरीजों और गंभीर बीमार बच्चों को मिलेगी विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा



» बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण पहल हुई। अकबरपुर स्थित मेडिकल कॉलेज में बर्न आईसीयू, बर्न यूनिट और शिशु रोग गहन चिकित्सा इकाई (पीआईसीयू) का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल और मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अमरीश गुप्ता की मौजूदगी में फीता काटकर इन सुविधाओं की शुरुआत की।

अब तक आग से गंभीर रूप से झुलसने वाले मरीजों और गंभीर हालत में पहुंचने वाले बच्चों को बेहतर उपचार के लिए दूसरे जनपदों या बड़े शहरों में रेफर करना पड़ता था। नई सुविधाएं शुरू होने से ऐसे मरीजों को जिले में ही उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ी राहत मिलेगी। खासकर आपात स्थिति में मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा मिलने से उपचार की संभावनाएं बेहतर होंगी।

शुभारंभ के दौरान जिलाधिकारी कपिल सिंह ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम है। बर्न आईसीयू और बर्न यूनिट में गंभीर रूप से झुलसे मरीजों को उपचार मिल सकेगा, जबकि पीआईसीयू में गंभीर अवस्था में भर्ती होने वाले बच्चों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं से मरीजों और उनके परिजनों को दूसरे जनपदों में जाने की परेशानी, समय और आर्थिक खर्च से राहत मिलेगी। जनपद में ही बेहतर और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इस मौके पर मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अटल घाट पर 5100 दीप जले, भव्य आरती के साथ स्वच्छता का संदेश

» सांस्कृतिक संध्या में लोकनृत्य की प्रस्तुतियों से गूंजा संरक्षण का आह्वान



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नमामि गंगे अभियान के तहत गंगा बैराज स्थित अटल घाट पर गंगा उत्सव की मुख्य संध्या का आयोजन किया गया। जिला गंगा समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में दीपोत्सव, महागंगा आरती और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से गंगा स्वच्छता और संरक्षण का संदेश दिया गया। 5100 दीपों से रोशन हुआ घाट कार्यक्रम की शुरुआत शाम 4ः30 बजे हुई।

स्थानीय कलाकारों ने पारंपरिक लोकनृत्य और संगीत की प्रस्तुतियों के जरिए गंगा की महत्ता और लोक संस्कृति के विविध रंगों को प्रस्तुत किया। शाम 5ः30 बजे दीपोत्सव के दौरान 5100 दीप जलाए गए, जिससे अटल घाट का तट जगमगा उठा। इसके बाद शाम 6 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पुरोहितों ने महागंगा आरती संपन्न कराई। प्रतियोगिताओं के विजेताओं और संस्थाओं को सम्मान उत्सव के तहत एक से तीन नवंबर तक जिले में प्रभात फेरी, खेलकूद, संगोष्ठी और स्कूल-कॉलेजों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।

इन गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।इसके अतिरिक्त पर्यावरण और नदी संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्थाओं–

वीमेन एम्पावरमेंट वेलफेयर सोसाइटी, रेवम्प इंडिया, गंगा रक्षक दल, गीतानुरागी फाउंडेशन और कानपुर प्लॉगर को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वन विभाग, पंचायती राज, पर्यटन विभाग और नमामि गंगे के स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी तथा जिला गंगा समिति के सदस्य मौजूद रहे।

अब जटिल सर्जरी के लिए बड़े शहरों की दौड़ नहीं, कानपुर देहात में सफल ऑपरेशन

» सड़क हादसे में टूटी निचले जबड़े की हड्डी का आधुनिक तकनीक से किया ऑपरेशन

» दंत चिकित्सा और शल्य चिकित्सा विभाग की संयुक्त टीम ने रचा सफलता का नया अध्याय

» बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, कानपुर देहात में चिकित्सकों ने सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल मरीज के निचले जबड़े की टूटी हड्डी (मैंडिबुलर फ्रैक्चर) की जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। आधुनिक शल्य चिकित्सा तकनीकों से किए गए इस ऑपरेशन को महाविद्यालय में उन्नत चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।जानकारी के अनुसार, सड़क दुर्घटना में घायल मरीज के निचले जबड़े की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया था। चिकित्सकों ने विस्तृत परीक्षण और आवश्यक रेडियोलॉजिकल जांच के बाद ऑपरेशन का निर्णय लिया। इसके बाद दंत चिकित्सा और शल्य चिकित्सा विभाग की संयुक्त टीम ने आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की।इस ऑपरेशन में दंत चिकित्सा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रूबी द्विवेदी और शल्य चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र कुमार की प्रमुख भूमिका रही। इनके साथ डॉ. ए.एच. अंसारी, डॉ. अतेंद्र कटियार, डॉ. कृष्णा खिरवार और डॉ. साकिब खान ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्टाफ नर्स प्रियंका सचान सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों का भी सराहनीय सहयोग रहा।ऑपरेशन के बाद मरीज को चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। चिकित्सकों की टीम लगातार उसकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर बनाए हुए है।महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अम्ब्रीश कुमार गुप्ता ने सफल सर्जरी पर पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय का उद्देश्य जनपद और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को उच्चस्तरीय एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

मात्र 10 मिनट में


आपके स्वास्थ्य के सजग प्रहरी!
A ROYAL KITCHEN
प्रभाकर
कचौड़ी मसाला
गरमा गरम खस्ता, कचौड़ियों से मेहमानों का करें स्वागत...
दालों सहित सम्पूर्ण मसाला

विशिष्ट उत्पाद- हवन सामग्री, रोली, कलावा, काला नमक, सेंधा नमक, हींग, पापड़, आलू अचारी मसाला, बुकनू, पनीर मसाला, आम अचार मसाला, दाल मक्खनी मसाला, राजमा मसाला, छोला मसाला, भरवाँ सब्जी मसाला, नूडल्स मसाला, जलजीरा, रायता मसाला, मीट मसाला, सांभर मसाला इत्यादि।
प्रभाकर गृह उद्योग- 187 एक्सप्रेस रोड, कानपुर
मो. 9415056083

शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाएं, युवाओं को नशे से बचाएं: डीएम

» जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिलाई तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण की सामूहिक शपथ

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। युवाओं को तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव से बचाने तथा तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में बुधवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में तंबाकू मुक्त युवा 4.0 अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाने, जनजागरूकता गतिविधियां तेज करने तथा कोटपा अधिनियम के प्रावधानों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण की सामूहिक शपथ भी दिलाई।



जिलाधिकारी ने कहा कि तंबाकू एवं नशीले पदार्थों का सेवन युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ उनके भविष्य को भी प्रभावित करता है। इससे कैंसर, हृदय एवं श्वसन संबंधी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ता है। नशे की लत शिक्षा, कार्यक्षमता और पारिवारिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। युवाओं को नशे से बचाने के लिए परिवार, शिक्षण संस्थानों एवं समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

टॉफी गाइडलाइन के तहत शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाने के निर्देश

जिलाधिकारी ने तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान (टॉफी/टीओएफईआई) गाइडलाइन का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में तंबाकू निषेध संबंधी संकेतक प्रदर्शित करने, परिसरों को पूर्णतः तंबाकू मुक्त रखने तथा विद्यार्थियों के बीच नियमित जागरूकता गतिविधियां संचालित करने को कहा। शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग को आपसी समन्वय से दिशानिर्देशों के अनुपालन की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 (कोटपा) के प्रावधानों पर भी चर्चा हुई। अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंधित है। धारा 6(क) के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों को तंबाकू उत्पादों की बिक्री तथा धारा 6(ख) के अंतर्गत शिक्षण संस्थानों की बाहरी सीमा से 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है। जिलाधिकारी ने इन प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन कराने तथा उल्लंघन पर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को किशोरों एवं युवाओं के बीच तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तंबाकू मुक्त समाज का निर्माण केवल प्रशासनिक प्रयासों से संभव नहीं है, इसके लिए जनभागीदारी एवं निरंतर जागरूकता आवश्यक है।

सेहतसुधारें

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. विवेक चतुर्वेदी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट संदीप कुमार, उपजिलाधिकारी सदर अनुभव सिंह, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एसपी यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।







बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. के.पी. सिटी 304/2027-2029, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।